आज का विचार
धोखेबाज लोगों के अंदर एक बहुत ही शानदार खूब होती है... वे बोलते बहुत ही मीठा हैं।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

6

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शनिवार, 12 अक्तूबर, 2024 वर्ष 22, अंक 251, मूल्यः 3 रुपए RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर आम आदमी को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाओ: मान का शिक्षाविदों से आह्वान

राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया व मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वाइस चांसलरों की कांफ्रेंस में की शिरकत

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिक्षाविदों से आह्वान किया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर आम आदमी को अधिक सशक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। पंजाब राज्य भवन में वाइस चांसलरों की कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां उपस्थित सभी शिक्षाविद अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रयासों से अपने क्षेत्र में सफल हुए हैं, लेकिन अब आपकी जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने जैसे और भी हीरे तराशें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में कुल 40 विश्वविद्यालय हैं और यह गर्व और संतोष की बात है कि इन विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर यहां इस कॉन्फ्रेंस के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की सराहना करते हुए कहा कि इससे पंजाब में उच्च शिक्षा में और सुधार लाने में मदद मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार उच्च शिक्षा में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में दो प्रमुख विश्वविद्यालय हैं, जिनमें 40,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की खराब नीतियों के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का रुझान विश्वविद्यालयों से हट गया था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से विदेश जाने के रुझान में कमी आई है और अब पंजाब की विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में दाखिलों का बाढ़ आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के विश्वविद्याल विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं और पंजाब के 43 कॉलेज नैक से मान्यता प्राप्त हैं, जिनमें से तीन कॉलेजों को ए ग्रेड मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही स्कूल प्रणाली में करियर मार्गदर्शन पर जोर दे रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के स्कूलों में बिजनेस ब्लास्टर्स योजना पहले से ही चल रही है ताकि भविष्य के उद्यमी तैयार किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गांवों में पुस्तकालय खोले हैं, जिन्हें ए.सी. और इंटरनेट जैसी सुविधाओं से लैस किया गया है। इन पुस्तकालयों में पाठ्यक्रम के साथ-साथ विश्व स्तर की पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। विश्व भर में टिशू कल्चर के क्षेत्र में प्रसिद्ध पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालयों के प्रमुख के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को नियुक्त किया जा रहा है, जो पहले राजनीतिक बाधाओं के कारण नहीं हो पाते थे।

एआई शिक्षा को देना चाहिए बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर तकनीक के फायदे और नुकसान होते हैं, लेकिन विश्वविद्यालयों को ए.आई. आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य जोर छात्रों की ग्रेडिंग के बजाय उनकी योग्यता पर होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व भर में पंजाब ही एकमात्र ऐसा राज्य है जिसके निवासियों ने पूरी दुनिया में अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं और हर देश में पंजाबियों का प्रभाव है।ुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों में कड़ी मेहनत और अद्वितीय कार्य करने की भावना है, जिसके कारण उन्होंने दुनिया में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि बोइंग में 5 प्रतिशत इंजीनियर गुरु नानक इंजीनियरिंग कॉलेज, लुधियाना से हैं, जबकि फ्लिपकार्ट, ओला, मास्टरकार्ड और अन्य कंपनियों के सी.ई.ओ. भी पंजाबी हैं। भगवंत सिंह मान ने कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान के बीच संपूर्ण संतुलन बनाए रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन छात्रों को महान क्षमताएं और योग्यताएं प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनकी अपार ऊर्जा को सही दिशा में ले जाने और उन्हें देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में भागीदार बनाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है और वह दिन दूर नहीं जब ये युवा देश के लिए नई सफलताओं के झंडे गाड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये युवा हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने में सक्षम हैं। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में पंजाब को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के सपने के साथ एन.ई.पी. कॉन्फ्रेंस का समापन किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कॉन्फ्रेंस की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री की सक्रिय भागीदारी और व्यावहारिक दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की शांति की अपील

एजेंसी
विएंतियान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व के विभिन्न भागों में जारी संघर्षों का सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ने का उल्लेख करते हुए यूरेशिया और पश्चिम एशिया में यथाशीघ्र शांति एवं स्थिरता की बहाली का शुक्रवार को आान किया। मोदी ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) को संबोधित करते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। उन्होंने साथ ही कहा कि स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत पूरे क्षेत्र में शांति तथा प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी ने मेजबान देश लाओ पीडीआर और आगामी अध्यक्ष मलेशिया के बाद शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रणनीतिक वार्ता के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र का प्रमुख मंच पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हित में है। मोदी ने कहा कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत संचालित की जानी चाहिए। नौवहन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई अंकुश नहीं लगना चाहिए। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए, न कि विस्तारवाद का। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों के कारण सबसे अधिक नकारात्मक रूप से प्रभावित देश ग्लोबल साउथ के हैं। उन्होंने कहा कि यूरेशिया और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाल करने की सामूहिक इच्छा है। मोदी ने यह टिप्पणी लंबे समय से जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध की पृष्ठभूमि में की। ग्लोबल साउथ शब्द आम तौर पर लातिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कम विकसित देशों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से, हमें संवाद और कूटनीति पर अधिक जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वबंधु की जिम्मेदारी निभाते हुए भारत इस दिशा में हरसंभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह टिप्पणी यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष तथा पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध के बीच आई है। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एक साथ आना होगा और मिलकर काम करना होगा।

साइब, समुद्र और अंतरिक्ष क्षेत्रों होना चाहिए परस्पर सहयोग

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें साइबर, समुद्री और अंतरिक्ष के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करना होगा। अपने संबोधन की शुरूआत में उन्होंने तूफान यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की। यागी एक विनाशकारी उष्णकटिबंधीय चक्रवात था, जिसने इस वर्ष सितंबर में दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण चीन को प्रभावित किया था। मोदी ने कहा, इस कठिन समय में हमने ऑपरेशन सद्भाव के जरिये मानवीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ) की एकता और प्रमुखता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि आसियान भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण और क्वाड सहयोग के केन्द्र में भी है। उन्होंने कहा, भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल और हिंद-प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण के बीच गहरी समानताएं हैं। मोदी ने कहा, हम म्यांमा की स्थिति के प्रति आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि वहां मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने वहां लोकतंत्र की बहाली के लिए उचित कदम उठाने का आह्वान किया।

रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल होंगे टाटा ट्रस्ट्स के नए चेयरमैन

एजेंसी
मुंबई

दिवंगत रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा अब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन होंगे। यह विभिन्न परमार्थ-संस्थाओं का एक समूह है जो अप्रत्यक्ष रूप से 165 अरब अमेरिकी डॉलर के नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले समूह को नियंत्रित करता है। उद्योगपति रतन टाटा (86) का बुधवार रात आयु संबंधी समस्याओं से निधन हो गया था जिसके बाद उनके उत्तराधिकारी की तलाश शुरू की गई। टाटा ट्रस्ट्स में शामिल विभिन्न ट्रस्ट के न्यासियों ने शुक्रवार को मुंबई में एक संयुक्त बैठक की और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। बैठक में न केवल टाटा समूह के लिए बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी उनकी (रतन टाटा की) महत्वपूर्ण सेवाओं को याद किया।

बयान में कहा गया, इसके तुरंत बाद हुई अलग-अलग बैठकों में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि नोएल नवल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स और उसके तहत आने वाले अन्य सभी ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त किया जाए। साथ ही उन्हें टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन भी नामित किया जाए। इसमें कहा गया कि उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभावी होगी। नोएल टाटा ने अपनी नियुक्ति पर कहा, मैं रतन एन. टाटा और टाटा समूह के संस्थापकों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। एक सदी से भी अधिक समय पहले स्थापित टाटा ट्रस्ट्स सामाजिक कल्याण के कार्यों का एक अद्वितीय जरिया है।

उन्होंने कहा, इस अवसर पर हम अपनी विकासात्मक तथा परोपकारी पहल को आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करते हैं। रतन टाटा की छत्रछाया में अधिकतर काम करने के बाद नोएल (67) को अब टाटा ट्रस्ट्स का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली है। इसमें मोटे तौर पर सर रतन टाटा ट्रस्ट एंड अलाइड ट्रस्ट्स और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट एंड अलाइड ट्रस्ट शामिल हैं, जिनके पास टाटा संस की नियंत्रक 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस, टाटा समूह की कंपनियों की होल्डिंग व प्रवर्तक कंपनी है।

सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के न्यासी है नोएल

नोएल, सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के निदेशक मंडल में न्यासी (ट्रस्टी) हैं। नोएल की पत्नी अलू मिस्त्री हैं, जो दिवंगत साइरस मिस्त्री की बहन हैं। अलू मिस्त्री शापूरजी पालोनजी परिवार का हिस्सा हैं, जो 18.4 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ टाटा संस का सबसे बड़ा निजी शेयरधारक है। साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाए जाने के बाद से शापूरजी पालोनजी समूह और टाटा के बीच संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। टाटा संस समूह के सभी वाणिज्यिक उद्यमों का

परिचालन करती है और पिछले वर्ष सामूहिक रूप से इसका राजस्व 165 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। नोएल को टाटा ट्रस्ट्स में रतन टाटा की जगह लेने के लिए सबसे आगे देखा जा रहा था। हालांकि, रतन टाटा के लंबे समय के विश्वासपात्र मेहली मिस्त्री के नाम को लेकर भी अटकलें थीं। नोएल 1999 से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं। नवल एच टाटा और सिमोन एन टाटा के पुत्र नोएल टाटा वर्तमान में टाटा समूह की विभिन्न कंपनियों के निदेशक मंडल का हिस्सा हैं। वह ट्रेंट, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास तथा टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील तथा टाइटन कंपनी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन हैं। वह 40 साल से अधिक समय से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं। नोएल ने अगस्त, 2010 और नवंबर, 2021 के बीच टाटा समूह की व्यापार तथा वितरण इकाई टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में आखिरी बार कोई कार्यकारी पद संभाला था। इस दौरान उन्होंने कंपनी के कारोबार को 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से तीन अरब डॉलर से अधिक तक पहुंचाया था। नोएल, टाटा इंटरनेशनल में अपने कार्यकाल से पहले टाटा समूह की खुदरा इकाई ट्रेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने 1998 में एक स्टोर से लेकर विभिन्न फॉर्मेट वाले 700 से अधिक स्टोर तक ट्रेंट की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरियाणा में 25,000 पदों के लिए भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जल्द घोषित किए जाएंगे: नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़

हरियाणा के निवर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कहा कि लगभग 25,000 पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। सैनी ने कहा कि यहां तक की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नयी सरकार के गठन से पहले ही परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

उन्होंने हरियाणा में भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता सौंपने के लिए राज्य के लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

सैनी कुरुक्षेत्र जिले के पिपली, लाडवा और बबैन अनाज मंडियों का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में लाडवा सीट से जीत दर्ज की थी।

उन्होंने घोषणा की कि चुनाव से पहले भाजपा द्वारा किए गए वादे के तहत नयी सरकार के शपथ ग्रहण से पहले ही लगभग 25,000 पदों के लिए परीक्षा परिणाम जल्द ही जारी किए जाएंगे।

उनके साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी अनुपमा, उपायुक्त राजेश जोगपाल और पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला भी थे। नयी सरकार के 15 अक्टूबर को शपथ लेने की संभावना है।

नेकां-कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का दावा पेश किया

एजेंसी
श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री पद के लिए मनोनीत उमर अब्दुल्ला ने यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात कर शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां)-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनाने का दावा पेश किया। अब्दुल्ला ने सिन्हा के साथ अपनी मुलाकात के दौरान गठबंधन सहयोगियों की ओर से समर्थन पत्र प्रस्तुत किया। अब्दुल्ला को बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से नेकां विधायक दल का नेता चुना गया, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल का रास्ता साफ हो गया। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल 2009 से 2014 तक रहा था और उस दौरान भी नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार ही राज्य की सत्ता में थी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीट के लिए तीन चरणों में हुए चुनाव में नेकां ने 42 सीट पर जीत हासिल की जबकि गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को छह सीट मिलीं। हालांकि 95 सदस्यीय सदन में दोनों पार्टियों के पास बहुमत है लेकिन चार निर्दलीय और आम आदमी पार्टी (आप) के एकमात्र विधायक ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया। अब्दुल्ला ने राजभवन से लौटने के बाद अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने उपराज्यपाल से नई सरकार के शपथ ग्रहण की तारीख जल्द से जल्द तय करने का अनुरोध किया। मनोनीत मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने उपराज्यपाल से मुलाकात कर नेकां, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, आप और निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन पत्र प्रस्तुत किए।

मोदी सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं: शाह

एजेंसी
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इतना ही नहीं नीतिगत निर्णय लेने में जो शिथिलता थी, उसे भी समाप्त किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदला गया। शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (2014 से) कार्यभार संभाला है, सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ, संपर्क सुविधा अच्छी हुई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ तथा सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है।

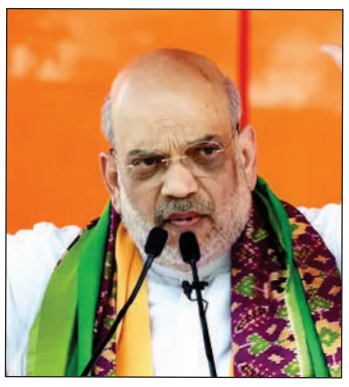

शाह ने विकसित भारत एट 2047: प्रगति के शिखर की ओर विषय पर आयोजित सत्र में कहा, हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इसे विपक्ष ने भी स्वीकार किया है। गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को जमीन के 200 गज नीचे दफना दिया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने सत्ता संभाली, तो नीतिगत निर्णय और क्रियान्वयन को लेकर शिथिलता की स्थिति थी जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक उपायों के साथ समाप्त किया गया। सरकार ने इसे प्रदर्शन की नीति से बदल दिया। शाह ने कहा कि एक समय भारत को पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था की श्रेणी में रखा जाता था लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष इसे आकर्षक स्थान कहता है। सर्वाधिक पांच कमजोर अर्थव्यवस्था यानी फ्रेजाइल फाइव एक अवधारणा है। इसका उपयोग अगस्त, 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक ने किया था। उन्होंने उन उभरते देशों के लिए इस शब्द का उपयोग किया जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गये थे। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्की, भारत और दक्षिण अफ्रीका को रखा गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दहाई अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था लेकिन अब यह बड़ी वृद्धि वाला देश बन गया है। शाह ने पिछले 10 साल में गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिया गया है, 12 करोड़ शौचालय बनाये गये हैं।

योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की नवमी को कुंवारी कन्याओं का पूजन किया

एजेंसी
गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया। योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के महापर्व के रूप में मनाए जाने वाले महानवमी और विजयादशमी के अवसर पर उत्तर प्रदेश के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शुक्रवार को यहां गोरखनाथ मंदिर में 'कन्या पूजन' अनुष्ठान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने इस परंपरा का महत्व बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी समाज की ताकत और क्षमता इस बात से झलकती है कि वह अपनी महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, जो समाज अपनी महिलाओं की पूजा और सम्मान करता है, वह स्वाभाविक रूप से सक्षम एवं शक्तिशाली होता है। उन्होंने कहा, नवरात्र केवल शक्ति की पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि आधी आबादी वाली महिलाओं के सम्मान का भी प्रतीक है। प्राचीन काल से ही भारतीय ज्ञान में यह मान्यता रही है कि जहां महिलाओं की पूजा होती है, वहां दैवीय शक्तियां निवास करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण सुनिश्चित करने की प्रेरणा देती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने डेंगू पर शीघ्र प्रहार किया, शैक्षणिक संस्थानों में डेंगू के लार्वा खोजने के लिए राज्य स्तरीय अभियान का नेतृत्व किया

छात्रों के माध्यम से घर-घर पहुंचाया जाएगा डेंगू के खिलाफ अभियानः डॉ. बलबीर सिंह

सिटी दर्पण
पटियाला

स्वास्थ्य मंत्री ने टीमों के साथ फिजिकल कॉलेज, सरकारी मल्टीपर्पज, सिविल लाइंस स्कूल का दौरा किया और पानी के स्थिर स्रोतों की जांच की। पंजाब सरकार राज्य के लोगों को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिबद्ध है।पंजाब परिवार कल्याण मंत्री के स्वास्थ्य पर डॉ। बलबीर सिंह ने आज तड़के 'हर शुक्रवार, डेंगू ते वार' अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ शैक्षणिक संस्थानों में डेंगू लार्वा खोजने के लिए राज्य स्तरीय अभियान का नेतृत्व किया।इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री के साथ विभिन्न टीमों ने सरकारी फिजिकल कॉलेज, सरकारी स्कूल सिविल लाइनेज और सरकारी मल्टीपर्पज स्कूल सहित पंजाबी बाग में घर-घर जाकर जांच की और लोगों को डेंगू को फैलने से रोकने के लिए जागरूक भी किया। इस अवसर पर डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि प्रदेशवासियों को वेक्टर जनित बीमारियों से बचाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'हर शुक्रवार, डेंगू ते वार' के तहत इस बार शिक्षण संस्थानों के माध्यम से लगभग 2 लाख विद्यार्थियों को डेंगू की रोकथाम के बारे में जागरूक किया जाएगा. राज्य का यह अभियान वित्तपोषित है। उन्होंने कहा कि ये छात्र आगे चलकर अपने घरों और आसपास के लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक कर इसके उन्मूलन में योगदान देंगे। अपने दौरे के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों को साथ लेकर सरकारी फिजिकल कॉलेज में पानी से भरे छोटे तालाब का निरीक्षण किया और उसमें पाए गए लार्वा पर लावार्नाशक दवा का छिड़काव करते हुए कहा कि इस लार्वा से पैदा होने वाला मच्छर छात्रों के लिए हानिकारक है. कॉलेज और बगल के छात्रावास के छात्र डेंगू से प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए सभी को जागरूक होना जरूरी है, इसलिए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे आसपास घरों या जमा पानी में लार्वा पैदा न हो, इसलिए लोग खुद भी सब्जी बनाने में इस्तेमाल होने वाले बचे हुए तेल का इस्तेमाल करें. रुके हुए पानी में रखकर लार्वा को नष्ट किया जा सकता है।

छात्रों को संबोधित करते हुए बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में डेंगू के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान के छात्र ब्रैड एंबेसडर हैं, जो घर-घर जाकर डेंगू के खात्मे के लिए किए जाने वाले उपायों की जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि आज राज्य भर में दो लाख छात्र इस अभियान में शामिल हैं, जो पंजाब के 60 लाख घरों तक डेंगू उन्मूलन का संदेश पहुंचाएंगे. इस बीच, घरों की जांच के दौरान, मच्छरों के प्रजनन के स्रोतों जैसे कूलर, रेफ्रिजरेटर के नीचे ट्रे, खुले बर्तन, नालियां आदि में लार्वा पाए गए। मंत्री ने लोगों से डेंगू के लार्वा के प्रजनन को रोकने के लिए हर शुक्रवार को अपने आसपास जमा पानी को निकालने का आग्रह किया, जिसे मच्छरों में विकसित होने में एक सप्ताह का समय लगता है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जीतेन्द्र कंसल, डॉ. इस अवसर पर सुमित सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे। फोटोः स्वास्थ्य मंत्री डॉ. गवर्नमेंट फिजिकल कॉलेज में विद्यार्थियों को डेंगू के बारे में जानकारी देते बलबीर सिंह।

पर्यावरण को लेकर पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने केरल का दौरा किया

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) आदर्श पाल विग ने कुछ दिन पहले तिरुवनंतपुरम (केरल) में केरल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 50 वर्ष पूरे होने के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया था।

इस खुशी के अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों/वैज्ञानिकों/एनजीओ आदि के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्य सचिव एवं अन्य राज्यों के अधिकारियों ने भी भाग लियाकेरल राज्य के शिक्षा मंत्री सहित जिला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

अध्यक्ष, प्रो(इस समारोह में डॉ. आदर्श पाल विग ने तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारियों की कमी के कारण पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि विज्ञान का यह युग, प्रौद्योगिकी और नित नई खोजों ने समय के साथ परिस्थितियाँ बदलीं और अंतरिक्ष की दूरियाँ कम करके बेशक जीवन को शुष्क और बेहतर बनाया गया है, लेकिन उन पर आधारित विभिन्न छोटे/बड़े उद्योगों द्वारा प्राकृतिक स्रोतों के अनधिकृत उपयोग से उत्पन्न उत्सर्जन और खतरनाक रसायनों से युक्त औद्योगिक कचरे ने प्रकृति के संतुलन पर बहुत प्रभाव पड़ा।जिसके कारण दुनिया भर में महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ आम हो गई हैं।

इसलिए, सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के संयुक्त प्रयासों, सरकार के निदेशों और व्यक्तिगत विज्ञान/तकनीकी अनुप्रयोग के साथ-साथ पारंपरिक, सरल जीवन को अपनाने से वर्तमान समय में उत्पन्न होने वाले पर्यावरणीय खतरों से बचा जा सकता है और ग्रह को बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर उन्होंने श्रीमती कला अध्यक्ष, केरल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और डॉ.शीला, सदस्य सचिव, केरल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को टिकाऊ भविष्य और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए पीपीसीबी द्वारा स्मृति चिन्ह के रूप में तांबे की बोतल और जूट बैग से सम्मानित किया गया।

राजस्थान में खाटू श्याम बाबा के दर्शनो को राजपुरा से सीधी ट्रेन चलाने का किया आग्रह

सिटी दर्पण
राजपुरा

राष्ट्रीय बहावलपुर वैल्फेयर महासंघ के राष्ट्रीय प्रधान कृष्ण कुकरेजा ने भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णन से जंक्शन राजपुरा से राजस्थान खाटु श्याम बाबा के दर्षनों हेतु सीधी रेल चलाए जाने की मांग की है। प्रधान कुकरेजा ने बताया कि इस सम्बंधी वह केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू से मिले, जिन्हें यह मांग पत्र देते हुए उनसे गुजारिश की है कि राजपुरा के लोग बहुत ही धार्मिक विचारों वाले हैं जिसके लिए उनकी एक विशेष मांग है कि राजपुरा से बाबा खाटू श्याम जी के दर्शनों के लिए विशेष रेल चलाए जाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि राजपुरा जो कि पहले से ही जंक्शन स्टेशन है और बहुत खुबसूरत शहर है।

इस रेल्वे स्टेशन पर सभी गाड़ियां रुकती हैं और यहां पर रेलवे की एक्टीविटी बहुत बेहतर है और सभी रूट की गाड़ियां राजपुरा स्टेशन से मिलती है। राजपुरा के लोगों का बाबा खाटू श्याम का मंदिर जो राजस्थान सीकर जिले में है कि आस्था वैसे तो पूरे विश्व में फैली हुई है और राजपुरा के श्रद्धालु बड़ी संख्या में अपने-अपने साधनों व प्राइवेट बसों से राजस्थान में खाटू धाम जाते हैं और यहां के लोगों की मांग है कि राजपुरा से विशेष रेल चलाई जाए जो श्याम प्रेमियों को खाटू श्याम पहुंचाए और दर्शन करने के उपरांत वही गाड़ी राजपुरा वापस आए।इससे राजपुरा के लोगों में खुशी और आस्था का माहौल बनेगा और यह कदम केंद्र सरकार का सराहनीय होगा।

इस पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने पूरा आश्वासन देते हुए कहा कि यह लोगों की आस्था से जुड़ा है इसका हम सम्मान करते हैं और जल्द ही इसे केंद्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव जी के समक्ष रखा जाएगा। वहीं कृष्ण कुकरेजा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा इस रेल यात्रा को शुरू करवाना राजपुरा के हजारों लोगों का सपना है व इससे काफी लोगों की आस्था जुड़ी है इससे राजपुरा ही नहीं पटियाला सहित आसपास के लाखों श्रद्धालुओं का इसका फायदा मिलेगा। इसके लिए मैं दिन रात एक कर दूँगा और लाखों लोगों की आस्था से जुड़े कार्य को साकार करवा कर ही रहूंगा।

चुनाव आचार संहिता की सख्ती से करें पालन और कोई अधिकारी लापरवाही न बरते : भूपिन्दर सिंह

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/ मालेरकोटला

पंजाब राज्य चुनाव आयोग द्वारा मालेरकोटला जिले के लिए तैनात किये चुनाव ऑब्जर्वर सीनियर आई. ए. एस. अधिकारी और सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के डायरैक्टर स. भुपिन्दर सिंह ने आज ग्राम पंचायत चुनाव के प्रबंधों का जायजा लेने के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (ग्रामीण विकास) कम अतिरिक्त जिला चुनाव अधिकारी श्रीमती नवदीप कौर और अन्य चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक की। चुनाव ऑब्जर्वर ने कहा कि किसी भी किस्म की शिकायत पर तुरंत कार्यवाही करके रिपोर्ट दी जाये और चुनाव प्रक्रिया में कोई लापरवाही न बरती जाये।

उन्होंने 15 अक्तूबर को ग्राम पंचायतों के होने वाली आम मतदान के मद्देनजर सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्विघ्न ढंग से पूरा करने के लिये राज्य चुनाव आयोग की हिदायतें सांझा की। चुनाव ऑब्जर्वर ने कहा कि सभी अधिकारी यह मतदान स्वतंत्र और निष्पक्षता के साथ करवाएं जिससे लोगों का चुनाव प्रक्रिया और लोकतंत्र में विश्वास बहाल रहे।

अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर ने बताया कि चुनाव आचार संहिता की पालना सख़्ती से की जा रही है और चुनाव प्रक्रिया निर्विघ्नता सहित पूरा करने के लिए चुनाव अभ्यासों की रिहर्सलें करवाने सहित वोटें डालने के समूचे प्रबंध मुकम्मल हैं। इस मौके पर चुनाव ऑब्जर्वर ने अलग-अलग पोलिंग स्टेशनों, स्ट्रांग रूमों और इलाकों का दौरा किया। इस मौके पर उप मंडल मैजिस्ट्रेट अहमदगढ़/ मालेरकोटला हरबंस सिंह, उप मंडल मैजिस्ट्रेट अमरगढ़ श्रीमती सुरिन्दर कौर, सहायक कमिशनर गुरमीत कुमार बांसल, जिला राजस्व अफसर श्रीमती मनदीप कौर, डी. डी. पी. ओ रिम्पी गर्ग, तहसीलदार मालेरकोटला शीसपाल सिंगला, नायब तहसीलदार अहमदगढ़ प्रवीन कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश कल्याण परिषद ने मां बगलामुखी मंदिर में की पूजा अर्चना

सिटी दर्पण
अमृतसर

उत्तर प्रदेश कल्याण परिषद पंजाब के प्रवक्ता एवं प्रवासी भलाई बोर्ड पंजाब सरकार के पूर्व वाइस चेयरमैन राम भवन गोस्वामी व धर्म जागरण मंच के जिला संयोजक एडवोकेट अशोक भगत ने दोमुही शिवाले में मां बगलामुखी के मंदिर में नतमस्तक होकर संसार के भले की प्रार्थना की, गोस्वामी ने बताया मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन करने वाली सभी मातृ शक्तियों को 9 दिन लगातार अजय मल्होत्रा जी की तरफ से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में दुपट्टे देकर सम्मानित किया जाता रहा, यह प्रशंसनीय कार्य है, मात्र शक्तियों की ये वही धरती है, जो मां काली की अपार शक्तियों के लिए जानी जाती है। यहां की मिट्टी से मां दुर्गा का रूप निखरता है, पूरे देश भर जोर-शोर से मां भगवती की उपासना की जाती है। कहते हैं मां में अपार शक्तियां समाई हैं। जिसे देवता नहीं हरा पाए, उसे मां ने अकेले अपने दम पर हराया और दुर्गा कहलाईं।

इन चंद दिनों में घर-घर कन्या पूजी जाती हैं और यह भी माना जाता है कि हर स्त्री में दुर्गा का रूप बसता है। पर, असल जिंदगी में क्या वाकई ऐसा है,ये किस तरह हमारे समाज का दोहरा चरित्र है? जिन रिश्तों की दुहाई देकर हमारे समाज ने महिलाओं को मयार्दा में बांध दिया, उसी मयार्दा को भंग करने की खबरें हर रोज देश के अलग-अलग हिस्सों से आती हैं।इस मामले में उम्र तक की सीमा मायने नहीं रखती। दरअसल हमने एक ऐसी झूठी दुनिया में जीना सीख लिया है, जहां हम अपने ही दोहरे चरित्र को पहचानने में पीछे रह जा रहे हैं।

ऐसे में समाज से बेहतरी की उम्मीद करने से बेहतर है कि सभी मातृ शक्तियां खुद ही सशक्त बन जाएं।इसके लिए मां भगवती के नौ स्वरूप हमें दिशा दिखा सकते हैं। मां का हर स्वरूप अपनी एक कहानी बताता है और एक स्त्री चाहे तो मां के इन्हीं स्वरूपों को खुद में उतार कर अपनी जंग अकेले ही लड़ सकती है। इसी समाज में ऐसी महिलाएं भी रही हैं, जिन्होंने उदाहरण पेश किए और शक्ति बनकर संसार को हैरान कर दिया था, इस मौके पर मंदिर के पुजारी एवं कमेटी के सदस्य मौजूद थे।

लोग उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं का ही उपयोग करे: डीएचओ

सिटी दर्पण
गढ़शंकर

त्योहारी सीजन के साथ ही खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री बढ़ जाती है। वहीं स्वास्थ्य विभाग इन उत्पादों में किसी भी तरह की मिलावट को रोकने के लिए कार्रवाई कर रहा है। जिसके मद्देनजर आज डीएचओ होशियारपुर डॉ. जतिंदर भाटिया के नेतृत्व में दाना मंडी गढ़शंकर के नजदीक एक कन्फेक्शनरी की दुकान की जांच की गई। चेकिंग के दौरान टीम द्वारा एक्सपायर्ड वस्तुओं को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया तथा खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किये गये। इस मौके पर बातचीत करते हुए डॉ. जितिंदर भाटिया ने कहा कि त्योहारों के मौके पर मिठाई, कन्फेक्शनरी और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर लगातार चेकिंग की जा रही है और किसी भी दुकानदार को घटिया खाद्य सामग्री बेचने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे केवल उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं का ही उपयोग करें। इस मौके पर उनके साथ डॉ. अविनाभ खोसला और विवेक कुमार एफएसओ आदि मौजूद रहे।

उन्नत कृषि को प्रोत्साहित करने के लिये किसानों को किया सम्मानित

सिटी दर्पण
अमृतसर

खालसा कालेज फॉर विमेन में असर द्वारा स्थापित ऐयर केयर सेंटर ने उन्नत कृषि और पराली मुक्त खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें माझा क्षेत्र के किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें फसल विविधीकरण और पराली प्रबंधन की तकनीक को अपनाने के विषयों से अवगत करवाया गया जिससे की वायु प्रदूषण और सतत कृषि के तरीकों को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत भी किया गया जिन्होंनें पर्यावरण मैत्री कृषि तकनीकों को अपनाया और कृषि समाज के लिये बेहतरीन उदाहरण पेश किया।

तकनीकी दृष्टिकोण पर बोलते हुए अमृतसर कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रोफेसर डॉ रमिंदर हुंडल ने फसल अवशेष प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। फसल अवशेष प्रबंधन न केवल प्रदूषण को कम करने के लिए बल्कि सॉयल हेल्थ यानी भूमि की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिये भी आवश्यक हैं। खालसा कालेज फार विमेन की प्रिंसिपल डा सुरिंदर कौर ने हर्ष व्यक्त करते हुये कि इस पहल के माध्यम से कॉलेज ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम उन किसानों के प्रयासों को दशार्ता है जो न केवल अपने खेतों को बेहतर बना रहे हैं बल्कि हम सभी के लिये एक स्वच्छ, और स्वस्थ भविष्य में भी योगदान दे रहे हैं।

विजिलेंस ब्यूरो ने थाना प्रभारी और उसके साथी को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

सिटी दर्पण
फिरोजपुर

राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के दौरान पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने के फगवाड़ा सिटी पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को गिरफ्तार कर लिया. इंस्पेक्टर जतिंदर कुमार और उसके साथी जसकरण सिंह उर्फ जस्सा निवासी गांव बुर्ज हमीरा, जिला मोगा को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ये गिरफ्तारियां फगवाड़ा के गांव चाचोकी निवासी कुलविंदर कौर की शिकायत के आधार पर की गई हैं।

अधिक जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि कुलविंदर कौर ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क किया और आरोप लगाया कि उक्त पुलिसकर्मी ने उसके बेटे हर्षदीप, उसकी पत्नी आशिमा और साले अंश शर्मा को मार्च में उस समय हिरासत में लिया था जब वे फगवाड़ा के एक स्थानीय इलाके में खाना खा रहे थे होटल में. इसके बाद उनके बेटे के खिलाफ उक्त थाने में नारकोटिक ड्रग एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस एक्ट (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज किया गया. इसके बाद उक्त पुलिस अधिकारी ने हर्षदीप की पत्नी और साले को इस मामले में शामिल नहीं करने के बदले में 50,000 रुपये की रिश्वत की मांग की और शिकायतकर्ता ने दबाव में आकर उसे रिश्वत दे दी.

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर जितिंदर कुमार ने बाद में मामले में साक्ष्य से हर्षदीप के मोबाइल फोन, सोने की अंगूठी और 1.5 लाख रुपये के सोने के कान के स्टड को हटाने के बदले में 50,000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता ने रिश्वत की राशि का भुगतान कर दिया और सामान उसे वापस कर दिया गया।

शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि उक्त निरीक्षक ने उससे बार-बार संपर्क किया और तारा नर्सरी से खरीदे गए पौधों और गमलों के लिए कुल 35,000-40,000 रुपये के बिल का भुगतान करने के लिए कहा और शिकायतकर्ता ने राशि का भुगतान किया। इसके अलावा, इंस्पेक्टर ने अदालत में उसके बेटे के पक्ष में चालान दाखिल करने और मुकदमे और साक्ष्य में उसका समर्थन करने के बदले शिकायतकर्ता से एक लाख रुपये की मांग की। सौदा 50 हजार रुपये में तय हुआ। शिकायतकर्ता ने इसे रिकॉर्ड किया और सबूत के तौर पर ब्यूरो को सौंप दिया।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और इंस्पेक्टर जतिंदर कुमार और उसके साथी जसकरण सिंह को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। . इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो के जालंधर रेंज थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

स्कूल में धूमधाम से मनाया गया विजयदशमी का त्योहार

राजपुरा। स्मार्ट मांइड पब्लिक स्कूल, महिमा में विजयदशमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्री-प्राइमरी तथा प्राइमरी विंग के बच्चों ने रामलीला के पात्रों की वेषभूषा धारण कर अपनी लीला से सभी का मन मोह लिया। इन बच्चों ने भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के पात्रों को बहुत ही सुन्दर ढंग से मंचीय प्रस्तुति में निभाया। स्कूल परिसर में श्रीराम और रावन के बीच युद्ध की लीला का मंचन किया गया । इसके अतिरिक्त सीनियर विंग के बच्चों ने भी भाषण, नाटक तथा कविता द्वारा पर्व की महत्ता बताई। बच्चों ने रघुपति राघव राजा राम, रामजी की निकली सवारी, जय सीया राम आदि गीतों पर नृत्य प्रस्तुत करके अपनी प्रतिभा से सभी को आकर्षित किया। इसके बाद रावण का पुतला दहन कर बुराई की पराजय का संदेश दिया। अंत में स्कूल की प्रिंसीपल तीमीत विनीता डेहरा ने सभी को दशहरे की शुभकामनाएँ दी और दशहरे पर्व की महत्ता बताते हुए सभी विद्यार्थियों को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब के राज्यपाल द्वारा लोगों को दशहरा की हार्दिक बधाई

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को दशहरा के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। दशहरा का त्योहार, जिसे विजयदशमी के नाम से भी जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पूर्वी और दक्षिणी राज्य दशहरा को देवी दुर्गा की दुष्ट राक्षस महिषासुर पर जीत के रूप में मनाते हैं, जबकि उत्तरी और पश्चिमी राज्य इस त्योहार को भगवान राम की रावण पर जीत के रूप में मनाते हैं। यह त्योहार हमें अहंकार और नकारात्मकता रूपी ह्यबुराईह्ल से छुटकारा पाने की शिक्षा देता है और सभी के लिए एकता और प्रेम रूपी ह्यअच्छाईह्ल की भावनाओं को अपनाना सिखाता है। भगवान श्री राम जी के मूल्य हमें जीवन की कठिन परीक्षाओं और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। पंजाब के राज्यपाल ने अपने संदेश में कामना करते हुए कहा कि इस वर्ष का दशहरा हमें भगवान श्री राम जी के सिद्धांतों पर दृढ़ रहने के लिए प्रेरित करे। आइए, हम सामूहिक रूप से सभी प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए अपने राज्य और प्रदेशवासियों के सर्वांगीण विकास और कल्याण के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। ईश्वर करे कि पूरी दुनिया में करुणा, प्रेम और भाईचारे का प्रभुत्व हो और हमें विभाजित करने वाली अंधविश्वास और बुराई की ताकतों का विनाश हो।

विधायक डॉ.अजय गुप्ता ने आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से की मुलाकात

अमृतसर। केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय गुप्ता ने आज आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात दौरान विधायक डॉ गुप्ता ने केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में अरविंद केजरीवाल को विस्तृत तौर पर बताया। विधायक डॉ गुप्ता ने केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में खराब सफाई व्यवस्था, खराब पेयजल और सीवरेज व्यवस्था तथा अन्य मुख्य समस्या भी बताई। विधायक ने कहा कि वह खुद केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के वॉलिंटियर्स के साथ दिन रात लोगों की सेवा में जुड़े हुए हैं। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जितनी भी समस्या आ रही है, उन सभी का आने वाले तीन महीनो के भीतर हल निकाल दिया जाएगा।

विधायक डॉ.अजय गुप्ता ने आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से की मुलाकात

अमृतसर । केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय गुप्ता ने आज आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात दौरान विधायक डॉ गुप्ता ने केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में अरविंद केजरीवाल को विस्तृत तौर पर बताया। विधायक डॉ गुप्ता ने केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में खराब सफाई व्यवस्था, खराब पेयजल और सीवरेज व्यवस्था तथा अन्य मुख्य समस्या भी बताई। विधायक ने कहा कि वह खुद केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के वॉलिंटियर्स के साथ दिन रात लोगों की सेवा में जुड़े हुए हैं। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जितनी भी समस्या आ रही है, उन सभी का आने वाले तीन महीनो के भीतर हल निकाल दिया जाएगा।

अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति को किया काबू

जालंधर। कमिश्नरेट पुलिस के थाना एक की पुलिस टीम ने अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए एसीपी ऋषभ भोला ने कहा कि डीआईपीएस पब्लिक स्कूल मकसूद जालंधर के सोरानुसी के पास चेकिंग के दौरान कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को रेलवे क्रॉसिंग की दिशा से आते देखा। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखते ही उक्त व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा, जिसके बाद पुलिस ने उसे खदेड़ कर गिरफ्तार कर लिया और गहन पूछताछ की. पकड़े गए युवक की पहचान दीपक पुत्र फूल चंद निवासी मकान नंबर 213, बचिंत नगर नजदीक आनंद मॉडल स्कूल, जालंधर के रूप में हुई है। आपको बता दें कि चेकिंग के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. परिणामस्वरूप, उन्होंने बताया कि 25-54-59 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 138 दिनांक 09-10-2024 पुलिस स्टेशन डिवीजन 1 सीपी जालंधर में दर्ज की गई थी। मामले की आगे की जांच की जा रही है और विवरण बाद में साझा किया जाएगा।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भूपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा: सैनी

नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में अनाज मंडियों का किया दौरा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जायेगा। किसानों को तय समय में फसल खरीद का भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।सरकार किसानों के हितो की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में किसानों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि उन्हें अपनी फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आए। साथ ही, मंडियों से धान उठान का काम भी सुनिश्चित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में पीपली, लाडवा व बबैन अनाज मंडियों का दौरा कर रहे थे। यहां पहुंचने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा, उपायुक्त श्री राजेश जोगपाल व पुलिस अधीक्षक श्री वरूण सिंगला ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा भी उपस्थित रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए मॉइस्चर मीटर के माध्यम से धान की नमी भी चैक की। उन्होंने इस मौके पर किसानों, आढ़ती व यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके धान के खरीद कार्य के बारे में जानकारी भी हासिल की। उन्होंने कहा कि तय पैरामीटर के अनुसार धान खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। धान के साथ-साथ बाजरे की भी सरकारी खरीद की जा रही है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेशवासियों व कार्यकताओं को बधाई भी दी और इसके लिए आमजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शपथ समारोह से पहले पूर्व घोषित वादे के अनुरूप 25 हजार पदों का रिजल्ट जल्द निकाल दिया जायेगा।

कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद के दलदल में फंसी हुई पार्टी है। पहले कई राज्यों में उन्होंने झूठ बोलकर सत्ता हासिल की थी, जिसमें हिमाचल, कर्नाटक व अन्य राज्य शामिल हैं। लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ चुका है।

किसानों व आढ़तियों की सुनी समस्याएं

मुख्यमंत्री ने धान खरीद कार्य का जायजा लेने के दौरान किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी जानी। इस दौरान किसानों ने जीरी का उठान न होने बारे, आरओ न कटने बारे व अन्य समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही सम्बंधित अधिकारियों को इन समस्याओं का निपटान करने के निर्देश देते हुए कहा कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। यदि कोई स्थानीय मिलरर्ज धान की खरीद या उठान नहीं कर रहा तो दूसरा कोई भी मिलर इस कार्य को कर सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान किसी भी मंडी में जाकर अपनी फसल बेच सकता है। इस दौरान उन्होंने धान खरीद कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि कोई इस कार्य में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

विधायक ने अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

सिटी दर्पण
इन्द्री

अनाज मंडी में धान की फसल के उठान व आढ़तियों तथा किसानों की समस्याओं को लेकर नवनिर्वाचित इन्द्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने अनाज मंडी का दौरा किया और फसल उठान व खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ एसडीएम सुरेन्द्र पाल, मार्किट सचिव जसबीर सिंह व सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे। विधायक रामकुमार कश्यप ने अनाज मंडी निरीक्षण के दौरान बताया कि किसानों की फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा और किसान को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में धान की आवक अधिक होने की वजह से उठान के कार्यों में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे मंडी से धान के उठान में और अधिक तेजी लाए। उन्होंने किसानों व आढ़तियों से यह भी अपील की कि वे प्रशासन के साथ आपसी सहयोग व तालमेल से फसल के उठान की समस्या को दूर कर सकते हैं। उन्होंने

कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानकों के अनुसार किसानों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद किया जाएगा। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि फसलों को सुखाकर व साफ करके मंडी में लाएं ताकि उनकी फसल को सरकारी एजेंसियों द्वारा एमएसपी पर खरीद किया जा सके। उन्होंने मार्किट कमेटी व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि धान की फसल खरीद के कार्य के साथ-साथ उठान के कार्यों में और अधिक तेजी लाएं ताकि किसानों को मंडी परिसर में अपनी फसल डालने में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

विधायक रामकुमार कश्यप ने स्वयं धान की ढ़ेरियों पर जाकर नमी को चैक किया व मशीन के माध्यम से नमी को जांचने का काम भी किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 17 प्रतिशत से कम नमी वाली धान को एमएसपी पर खरीदा जाए। उन्होंने व्यापारियों और किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों से मंडियों में अब तक हुई आवक, खरीद, उठान, गेट पास, ट्रांसपोर्टेशन सहित अन्य विषयों के बारे में फीडबैक रिपोर्ट ली।

हल्के में विकास को लेकर और गति प्रदान करने के लिए तैयार: कृष्णलाल पंवार

सिटी दर्पण
पानीपत

शुक्रवार को जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में इसराना विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने कृष्णलाल पंवार का कार्यालय पहुंचने पर उपायुक्त डॉ.वीरेन्द्र कुमार दहिया ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया व उनका कुशल क्षेम भी पूछा।

विधायक कृष्णलाल पंवार ने उपायुक्त का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी सरकार द्वारा उन्हें मिलेगी वे उस पर खरा उतरेंगे व हल्के के विकास को और गति प्रदान करने का प्रयास करेंगे। प्रदेश का विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग ने हमें पूर्ण आशीर्वाद दिया है। हर वर्ग के उत्थान व उनके हकों के लिए मैं प्रयत्न करूगां।

विधायक ने कहा कि हल्के के लोगों ने जिस प्रकार से विधानसभा क्षेत्र के इस चुनाव में अपना प्रेम व सहयोग मुझे दिया है उस पर खरा उतरने के लिए वो भरसक प्रयास करेंगे व ज्यादा से ज्यादा ग्रांट लेकर हल्के का चहुमुखी विकास करेंगे।

इस मौके पर उन्होंने उपायुक्त से किस प्रकार से हल्के के विकास के बारे में व शेष बचे विकास कार्यो को पूर्ण करने को लेकर विचार विमर्श किया। उन्होंने उपायुक्त से शेष बचे कार्यो की प्रगति भी जानी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज, एसडीएम समालखा अमित कुमार, एसडीएम इसराना ज्योति मित्तल आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखरे प्रतिभा के रंग

संगीत गायन, नृत्य, दृश्य कला, संगीत वादन में राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

सिटी दर्पण
करनाल

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनाल में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत डीपीसी उर्वशी विज व जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एपीसी अंजू के नेतृत्व में जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एपीसी अंजू ने बताया कि जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में जिले के ब्लॉक स्तर पर स्कूलों एवं प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने कक्षा 9 से 12वीं तक विद्यार्थियों ने संगीत गायन, संगीत वादन, नृत्य, दृश्य कला, पारंपरिक कहानी, गायन रंगमंच आदि विधाओं में भाग लिया। डीपीसी उर्वशी विज ने कहा कि इस प्रकार की कार्यक्रम से बच्चों में छिपी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। इस प्रकार बच्चों को

अपनी पहचान बनाने के साथ संस्कृति के प्रति जुड़ाव रखने तथा अन्य संस्कृतियों को जानने का मौका मिलता है और कला के क्षेत्र में बच्चों को अपना भविष्य बनाने का मौका मिलता है। डीईओ सुदेश ठुकराल ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है वह विद्यार्थी 20 से 22 अक्टूबर को होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। मंच संचालन की भूमिका एबीआरसी ईशा चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम के विभिन्न विधाओं में जज की भूमिका संतोष, रीति तनेजा, अंजू शर्मा, अजय कश्यप, संजीव, वीरेंद्र आदि ने निभाई। दृश्य कला में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुंडला ने प्रथम स्थान, संगीत वादन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिड़ाओ, रंगमंच में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुभरी, पारंपरिक कहानी में कोमल और अक्षरा राजकीय हाई स्कूल बलड़ी, फोक डांस में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डीईओ सुदेश ठुकराल, उर्वशी विज, एपीसी अंजू, बीआरसी जोगिंद्र, ईशा चौधरी, दिनेश, दलीप सिंह एबीआरसी सुनील शर्मा, युगल, ललित, तुषार राणा, रीटा, रेनू, डिम्पल व प्रवीन आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

मानसिक स्वास्थ्य की हर व्यक्ति को आवश्यकता: प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान

चंडीगढ़। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के रकाय चिकित्सा विभागर द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमा और मुख्य वक्ता जामनगर आईटीआरए काय चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंदीप गोयल रही। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि आज संसार में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे मानसिक स्वास्थ्य की अवश्यकता न हो। हर दूसरा-तीसरा व्यक्ति मानसिक बीमारी से ग्रस्त है उसका कारण लाइफ स्टाल में हो रहा बदलाव है। मानसिक विकारों में सोच, भावनात्मक और व्यवहार में भारी गड़बड़ी होना है। वैसे मानसिक विकार कई तरह के होते है। प्रभावी रोकथाम और उपचार भी मौजूद है मगर अधिकांश लोग इससे अनभिज्ञ ही रहते है जिसकी वजह से व्यक्ति को जान का जोखिम उठाना पड़ता है। तनाव प्रबंधन का अभ्यास करना और जरूरत पड़ने पर सहायता लेना स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जरूरी है। मुख्य वक्ता डॉ. मंदीप ने कहा कि वर्तमान समय में 60 प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील है, हर सात में से एक युवा मानसिक रोग से ग्रसित है जिसका मुख्य वजह भय, तनाव, कार्य संतुलन का न बनना और अधिक महत्वाकांक्षाओं को करने का संघर्ष है। उन्होंने मानसिक तनाव से उत्पन्न होने वाले गंभीर रोगों के प्रारंभिक लक्षणों जैसे चिंता, क्रोध, अवसाद, भय और चिकित्सा को विस्तार से बताया। इसके साथ ही मानस समस्याओं में बचाव के लिए व्यक्ति को जीवन शैली में बदलाव, प्रतिदिन योगासन एवं प्राणायाम और सदाचार का जीवन शैली में प्रयोग करना चाहिए और विषय विशेषज्ञों से सलाह लेनी चाहिए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार कृष्ण कुमार जाटियान, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. जेके पंडा, प्राचार्य डॉ. देवेंद्र खुराना, काय चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा लांबा, सहायक प्रो. डॉ. नीलम व अन्य अध्यापक गण भी मौजूद थे।

गणित विभाग ने विद्यार्थियों के कौशल और आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देने के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम का किया आयोजन

चंडीगढ़। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के गणित विभाग ने टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों को अपनी विविध प्रतिभाओं और कौशलों को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना और उन्हें प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करना था। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में गायन, भाषण, शतरंज, स्टैंड-अप कॉमेडी, नृत्य और कविता सहित विभिन्न श्रेणियों में कुल 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर, रामानुजन सोसाइटी के सदस्यों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में वैभव विजयी हुए, गायन प्रतियोगिता में स्नेहा ने जीत हासिल की, भाषण प्रतियोगिता में गीतिका ने जीत हासिल की, स्टैंड-अप कॉमेडी में अरुण दिवानिया ने बाजी मारी, सोलो डांस में काजल ने जलवा बिखेरा, कविता के लिए रुचिका भारद्वाज को सम्मानित किया गया और युगल नृत्य प्रदर्शन के लिए लिपिका भाटी और प्रिया को सम्मानित किया गया।

जीवीएम की छात्रा योगिता को एमडीयू रोहतक ने यूनिवर्सिटी कोर्ट सदस्य किया मनोनीत

सोनीपत। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक (एमडीयू) ने जीवीएम गर्ल्स कालेज की छात्रा योगिता को यूनिवर्सिटी कोर्ट की सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। इस उपलब्धि पर संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने योगिता को बधाई देते हुए कोर्ट सदस्य के रूप में बेहतरीन कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दी। जीवीएम की भूगोल विभाग की प्राध्यापिका शिवानी ने बताया कि एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने यूनिवर्सिटी कोर्ट सदस्यों को मनोनीत किया है।

धान अवशेष व पराली न जलाने को लेकर किसानों को करें जागरूक: नवीन हुड्डा

सिटी दर्पण
सोनीपत

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर सहायक कृषि अभियंता नवीन हुड्डा ने शुक्रवार को उपमंडल कृषि अधिकारी कार्यालय गोहाना में सभी फील्ड स्टाफ की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में पराली न जले। इसके देखरेख के लिए बनाई गई जिला, तहसील, ब्लॉक तथा ग्राम स्तर पर बनाई गई कमेटियों में शामिल कृषि विभाग के अधिकारी अपने ड्यूटी को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए विभिन्न कृषि यंत्र सब्सिडी पर दिए गये हैं जैसे सुपर सीडर, स्ट्रॉ बेलर व अन्य कृषि यन्त्र।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्र में पैनी नजर रखें ताकि कहीं भी पराली जलाने की घटना न हो पाए। उन्होंने कहा कि गांव में किसानों को पराली न जलाने व अवशेषों को कृषि यंत्रों द्वारा मिट्टी में मिलाने की प्रक्रिया के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। ताकि इस मुहिम को जन आंदोलन बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर किसान फसल अवशेष व पराली नहीं जलाएंगे तो वातावरण भी कम प्रदूषित होगा जो मानव जाति के लिए सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि पराली में आग लगाने से वायु तो प्रदूषित होती ही है बल्कि मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीव भी खत्म हो जाते हैं जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। बैठक में डॉ. विरेन्द्र नांदल, डॉ. सतेंद्र मलिक, डॉ. रामधन तथा डॉ. विपिन सैनी सहित संबंधित सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हारने के बाद हार को स्वीकार न करना कांग्रेस की पुरानी परंपरा : मोहन लाल बड़ौली

सिटी दर्पण
सोनीपत

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने निर्दलीय विधायकों के भाजपा को समर्थन देने के बाद कहा है कि 51 की संख्या शुभ होती है । भाजपा अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 51 विधायकों के साथ प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सुधरना ही नहीं चाहती। शुक्रवार को सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोहन लाल ने कहा कि भाजपा की जीत 36 बिरादरी और सर्व समाज की जीत है। हरियाणा की जनता ने इतिहास रचते हुए भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 48 विधायक चुनाव जीते हैं और 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि हारने के बाद अपनी हार को स्वीकार न करना कांग्रेस की पुरानी परंपरा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी है और जनता भी जानती है कि कांग्रेस के लोग आपस में सिर फोड़ते रहते हैं। पत्रकार के सवाल पर पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के लोग समीक्षा करते रहेंगे, सुधार कांग्रेस के लोगों में होना नहीं है, क्योंकि ये लोग अपनी आदत को सुधारना ही नहीं चाहते। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में हरियाणा बसता है। भाजपा की यह प्रचंड जीत जनता के प्यार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है। भाजपा के कार्यकताओं की प्रशंसा करते हुए पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हमारे लाखों कार्यकताओं ने दिन-रात चुनाव में कड़ी मेहनत की है और उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि तीन निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को अपना समर्थन दिया है।

हिसार से सावित्री जिंदल, बहादुरगढ़ से राजेश जून और गन्नौर से देवेंद्र कादियान ने भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि 51 का अंक शुभ है और हम 51 विधायकों के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं।

खेल छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- कुवि यूएसएसएमएस के छात्रों ने राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में किया नाम रोशन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल छात्रों को विकसित कर उनका सर्वांगीण विकास करते हैं। इसलिए शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को खेलना भी अवश्य चाहिए। इससे छात्रों का शारीरिक व मानसिक विकास होने के साथ उनमें लक्ष्य को प्राप्त करने तथा नेतृत्व करने की क्षमता भी विकसित होती है।

यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शुक्रवार को यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि खेलने से जहां छात्रों का शरीर स्वस्थ होता है वहीं वे मानसिक रूप से भी मजबूत होते हैं। प्रत्येक छात्र को प्रतिदिन कुछ समय खेलों के लिए निकालना चाहिए क्योंकि जिस प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और अभिभावकों की उम्मीद छात्रों पर ज्यादा है और उससे निश्चित तौर पर छात्रों पर दबाव रहता है इसलिए छात्रों को प्रतिदिन खेलों में प्रतिभागिता करनी चाहिए।

स्कूल की वाइस चेयरपर्सन प्रोफेसर सुनीता दलाल व प्रधानाचार्य डॉ. सुखविंद्र सिंह ने कहा कि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड व सिल्वर मेडल प्राप्त किए हैं।

उन्होंने बताया कि राष्ट्र स्तरीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में अनुष्का ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

खरीद

अधिकारियों को धान की लिफ्टिंग में तेजी लाने के दिए निर्देश

फसल अवशेष प्रंबधन के तहत सरकार उन किसानों को प्रोत्साहन राशि देगी जो किसान फसल अवशेष नहीं जलाते: उपायुक्त डॉ.वीरेन्द्र कुमार दहिया

सिटी दर्पण
पानीपत

हरियाणा सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव ए. के. सिंह आईएएस ने शुक्रवार को जिला सचिवालय में संबंधित विभाग व धान की खरीद करने वाली एजेंसियो के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इससे पूर्व उन्होंने बाबरपुर मंडी का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मंडी में जो किसान धान लेकर आ रहे है उनके धान की माप तोल वाली मशीन को ठीक प्रकार से जांच करके उन्हें संतुष्ट करना सुनिश्चित करें। मंडी में अब तक कितनी लिफ्टिंग हुई है व अब तक कितनी खरीदारी हुई व कितनी पैमेंट दी गई है इन सबके संदर्भ में अधिकारियों से जानकारी ली। उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि किसानों को मंडी संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। मंडियो में सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को संतुष्ट करना उनकी प्राथमिकता है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि धान के अवशेषों को जलाने वालों के प्रति सख्ताई बरतने की जरूरत है। अधिकारियों को इस पर तीव्रता से काम करना होगा। अधिकारियों को जो किसान फसल अवशेष जलाते है उनकी वीडियो बनाना सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल अवशेष संबंधी चीजों के लिए वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग की जाएं यह जरूरी नहीं है। हमें अपने काम पर ओर ध्यान देना होगा। जो किसान मंडी में धान की फसल को लेकर पहुंचते है उन्हें संतुष्ट करें व जो मशीने सही काम नहीं कर रही है उन्हें बदले व किसानों को किसी तरह की समस्या मंडी में न आए इसका विशेष ध्यान रखना होगा।

उपायुक्त ने कहा कि जो किसान फसल अवशेषों को जलाते है उनको लेकर प्रशासन पूरी तरह से सख्त है। उन पर निगरानी बरती जा रही है। उपायुक्त ने पुलिस उप अधीक्षक को ऐसे किसानों पर मामला दर्ज करने व गिरफतार करने के निर्देश दिए जो किसान पर्यावरण सरंक्षण को ताक पर रखकर फसल अवशेष जलाते है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेताया कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं में वृद्धि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को फिल्ड में उतरने के भी निर्देश दिए।

उपायुक्त ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को बताया कि जिले में अब तक कुल 1800 मीट्रिक टन धान की खरीदारी हुई है जिसमें 1600 मीट्रिक टन हैफड द्वारा व 800 मीट्रिक टन वेयर हाउस द्वारा खरीदारी की गई है। उपायुक्त ने संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि वे लिफ्टिंग में किसी भी तरह की देरी न करें व लिफ्टिंग में ओर गति लाएं।

उपायुक्त ने कहा कि जो किसान फसल का अवशेष नहीं जलाते उन्हें सरकार प्रोत्साहित करेगी व प्रति एकड के हिसाब से एक हजार रुपए की राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी व किसानों को बायलर भी उपलब्ध करवायें जाएगें ताकि फसल अवशेष को न जलाया जा सके। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डॉ.पंकज, एसडीएम ब्रह्मद्रप्रकाश, एसडीएम समालखा अमित कुमार, एसडीएम इसराना ज्योति मित्तल, सीटीएम टीनू पोसवाल, उप अधीक्षक पुलिस सतीश वत्स, डीएफएससी नीतू आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में तेजी से हो रही गिरावट चिंता का विषय

जी हां विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में गिरावट तेजी से हो रही है जो सच में एक चिंता का विषय है। इन कम होने वाले गिद्दों में सफेद पूंछ वाले गिद्ध, भारतीय गिद्ध और पतली चोंच वाले गिद्ध शामिल हैं। सफेद पूंछ वाले गिद्धों की आबादी में 67 प्रतिशत, भारतीय गिद्ध में 48 प्रतिशत तथा पतली चोंच वाले गिद्ध की संख्या में 89 प्रतिशत की कमी आई है। इसका खुलासा वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक नई रिपोर्ट में हुआ है। ऐसा नहीं है कि शुरू से ही यहां गिद्दों की संख्या कम रही है। गौरतलब है एक वक़्त ऐसा था जब भारत में बड़ी संख्या में गिद्ध पाए जाते थे। मवेशियों के शवों की तलाश में गिद्ध विशाल लैंडफिल पर मंडराते थे। कभी-कभी वे हवाईअड्डे से उड़ान भरने के दौरान जेट इंजन में फंसकर पायलटों के लिए खतरा भी पैदा करते थे। लेकिन दो दशकों से कुछ अधिक वक्त ही गुजरा है, जब बीमार गायों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कुछ दवाओं के कारण भारत में बड़ी संख्या में पाए जाने वाले ये गिद्ध मरने लगे। 1990 के दशक के मध्य आते-आते 5 करोड़ की आबादी वाले गिद्धों की संख्या डाइक्लोफेनाक नाम की दवा की वजह से तकरीबन शून्य पर आ गई। ह्यडाइक्लोफेनाकह्न मवेशियों के लिए एक सस्ती गैर-स्टेरॉयडल दर्द निवारक दवा है, जो गिद्धों के लिए घातक है। दरअसल, जो भी पक्षी इस दवा से इलाज किए गए पशुओं के शवों को खाते थे, वे किडनी फेल्योर की वजह से मर जाते थे। स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स की नई रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2006 में पशुओं के इलाज में डाइक्लोफेनाक दवा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से कुछ इलाकों में गिद्धों की मौतों में गिरावट आई, लेकिन कम से कम तीन प्रजातियां ऐसी थीं, जिनपर इसका लंबा असर हुआ और उन्हें 91 से 98 फीसदी तक नुकसान झेलना पड़ा। अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है, 'अनजाने में इन पक्षियों की मौत की वजह से घातक बैक्टीरिया और संक्रमण फैला। इससे पांच वर्षों में करीब पांच लाख लोगों की मौत हो गई।' अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है, 'अनजाने में इन पक्षियों की मौत की वजह से घातक बैक्टीरिया और संक्रमण फैला. इससे पांच वर्षों में करीब पांच लाख लोगों की मौत हो गई।' अध्ययन के एक लेखक और शिकागो विश्वविद्यालय के हैरिस स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में सहायक प्रोफेसर इयाल फ्रैंक कहते हैं, 'ऐसा माना जाता है कि गिद्ध प्रकृति को स्वच्छ रखते हैं, वे हमारे पर्यावरण से बैक्टीरिया और बीमारी से मारे गए जानवरों को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके बिना बीमारी फैल सकती है।' इंसानों के स्वास्थ्य में गिद्धों की भूमिका, वन जीवों की रक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। सभी जीवों का हमारे इकोसिस्टम में अलग-अलग काम है जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है। फ्रैंक और उनके दूसरे लेखक अनंत सुदर्शन ने गिद्धों की संख्या में गिरावट से पहले और बाद में, ऐतिहासिक रूप से कम गिद्धों की आबादी वाले भारतीय ज़िलों और गिद्धों से समृद्ध ज़िलों में मानव मृत्यु दर की तुलना की। उन्होंने रेबीज टीके की बिक्री, जंगली कुत्तों की संख्या और जल आपूर्ति में बीमारी फैलाने वाले कारकों के स्तर की जांच की। उन्होंने पाया कि सूजन कम करने वाली दवाओं की बिक्री बढ़ने और गिद्धों की आबादी घटने के बाद, उन ज़िलों में मानव मृत्यु दर में 4 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई, जहां कभी ये पक्षी बड़ी संख्या में थे। शोधकताओं ने यह भी पाया कि इसका प्रभाव पशुओं की बड़ी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक था, जहां मवेशियों के शवों को फेंकना आम था। शोधकताओं का अनुमान है कि साल 2000 और 2005 के बीच, गिद्धों की आबादी घटने की वजह से हर साल करीब एक लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। नतीजतन प्रति वर्ष देश को समय से पहले होने वाली इतनी मौतों से 69 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। दूसरी ओर वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक नई रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि बीते पांच दशकों में निगरानी में रखी गई वन्यजीव आबादी में करीब 73 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये आंकड़े 1970 से 2020 तक के हैं और इसमें वन्यजीवों को हुए नुकसान की वजह वनों की कटाई, इंसानों द्वारा किया जा रहा शोषण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन बताया गया है। इस रिपोर्ट में एक बात अच्छी है वह यह कि भारत में कुछ वन्यजीव आबादी स्थिर हो गई है और उसमें सुधार हुआ है, जिसका मुख्य कारण सक्रिय सरकारी पहल, प्रभावी आवास प्रबंधन, मजबूत वैज्ञानिक निगरानी और सामुदायिक सहभागिता के साथ-साथ सार्वजनिक समर्थन है। दुनिया भर में बाघों की सबसे बड़ी आबादी भारत में है. अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2022 में कम से कम 3,682 बाघ दर्ज किए गए, जबकि 2018 में 2,967 बाघों की संख्या का अनुमान लगाया गया था। इसी प्रकार भारत में प्रथम हिम तेंदुआ आबादी आकलन (एसपीएआई) में अनुमान लगाया गया था कि उनके 70 प्रतिशत क्षेत्र में 718 हिम तेंदुए हैं मगर यह भी सच है कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक गिरावट मीठे जल वाले पारिस्थितिकी तंत्रों (85 प्रतिशत) में दर्ज की गई है, इसके बाद स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्रों (69 प्रतिशत) और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्रों (56 प्रतिशत) का स्थान है। अंत में यही कहा जा सकता है कि हमारे देश में गिद्द जो कि इकोसिस्टम के अहम पक्षी हैं की लगातार घटती संख्या के मद्देनजर सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कहीं ऐसा न हो आने वाले समय में हम अपनी भावी पीढ़ी को गिद्द केवल तस्वीरों में ही दिखा पायें जिसकी जिम्मेवारी हम सब की होगी।

आज का राशिफल

मेष: मन का तनाव दूर होगा। व्यर्थ के कार्यों से स्वयं को दूर रखें। व्यापार में बेहतरीन धन लाभ प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष के साथ तनाव कम हो सकता है। आपकी सलाह से लोगों का हित होगा। भाई-बहनों की उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति होगी।

वृषभ: कार्यक्षेत्र में आप बहुत मेहनत करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिये दिन काफी अच्छा है। आप लोगों की सहायता करने को तत्पर रहेंगे। खेल और कलाक्षेत्र से जुड़े करियर में उत्तम सफलता मिल सकती है। आप रचनात्मक विचारों के कारण प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

मिथुन: दाम्पत्य जीवन में थोड़ी अनबन रहेगी। यदि कोई आपके विचारों से सहमत नहीं है तो उस पर विचार थोपने से बचें। धैर्य और संयम के कारण आपको सफलता मिलेगी। बिजनेस को लेकर बड़ी डील हो सकती है। विचारों को सकारात्मक बनाये रखें। प्रियजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कर्क: नयी तकनीक के अध्ययन के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। ऑफिस का माहौल बहुत ही अच्छा रहेगा। विरोधियों के ऊपर वर्चस्व स्थापित कर पायेंगे। सत्कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। दूसरों के मामलों में आपको हस्तक्षेप न करें। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा।

सिंह: अपने व्यवहार में अभिमान न आने दें। बाहर शिक्षा ले रहे छात्रों को अध्ययन में थोड़ी असुविधा महसूस होगी। मन में थोड़ी अशान्ति हो सकती है। यदि मंहगी वस्तुओं को खरीद रहे हैं तो पहले उसकी थोड़ी जांच-परख कर लें। रिश्तेदारों के साथ आपको अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिये।

कन्या: दिन की शुरूआत बहुत ही अच्छी रहेगी। राजनैतिक गतिविधियों में आपका मन लगेगा। गुस्से के बजाय शान्तिपूर्वक समस्याओं का समाधान करें। किसी दोस्त से अपने मन की बात कर सकते हैं। बदलते मौसम के कारण आपको शरीर में थकावट हो सकती है।

तुला: जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों के कारण हानि हो सकती है। इसके कारण आत्मविश्वास में कमी आयेगी। छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नयी तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। आपको मौके पर लोगों की मदद नहीं मिल पायेगी।

वृश्चिक: जॉब में उच्च पद मिल सकता है। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है। करियर को लेकर शुभ समाचार मिलने की सम्भावना है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। दोपहर के बाद कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं।

धनु: अपनी प्रतिभा का उचित लाभ नहीं उठा पायेंगे। वरिष्ठ व्यक्तियों की अवहेलना न करें। तनाव के कारणों को पहचानें और उससे बचें। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। जीवनसाथी पर भरोसा बनाये रखें। जमीन और सम्पत्ति के मामलों को लेकर परेशानी होगी।

मकर: सहकर्मी आपके प्रति ईर्ष्या का भाव रख सकते हैं। गुस्से में आकर कड़वे वचन बोलने से बचें। कोई मूल्यवान वस्तु आज गुम हो सकती है। समय अनुसार आपके सभी काम बनते जायेंगे। बच्चों के साथ आपका समय अच्छे से बीतेगा।

कुंभ: नये काम की शुरूआत में अति शीघ्रता उचित नहीं है। बड़ों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। महिलाओं को यूरिन इन्फेक्शन सम्बन्धी परेशानी हो सकती है। दूसरों की सहायता करने से आत्मसन्तुष्टि की अनुभूति होगी। मन में बेचैनी का भाव रहेगा। पूर्व में बनी हुई योजनाओं पर ही काम करेंगे।

मीन: अपने आचरण को संयमित रखें। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। बेरोजगार लोगों की नौकरी की समस्या समाप्त होगी। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके सम्पर्क विकसित होंगे।

दशहरा: बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

दशहरा यानी कि विजयदशमी का पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। दशहरा इस साल 12 अक्तूबर को मनाया जाएगा। दशहरे का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी के दिन ही भगवान राम ने रावण का संहार करके सीता मां उसके चंगुल से छुड़ाया था। तभी से दशहरे का त्योहार हर साल मनाया जाता है। इस दिन रावण के साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। आइए जानते हैं दशहरे की डेट, दशहरे पर कौन से शुभ योग बन रहे हैं और साथ ही इस त्योहार का महत्व।

दशहरा कब है

पंचांग के अनुसार आश्विन शुक्ल दशमी तिथि 12 अक्तूबर को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से शुरू होगी और 13 अक्तूबर को सुबह 9 बजकर 8 मिनट तक रहेगी। दशहरा का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था। दशहरे के दिन रावण दहन का विशेष महत्व है।

दशहरा का धार्मिक महत्व

दशहरे का त्योहार देश-दुनिया में बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। शारदीय नवरात्रि के 9 दिनों तक देवी दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की विधि-विधान के साथ पूजा-उपासना और आराधना की जाती है। शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि पर मां दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा के बाद अगले दिन यानी आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर भगवान राम के पूजा के साथ दशहरे का त्योहार बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। दशहरा जिसे विजयादशमी भी कहते है इस दिन शस्त्र पूजा भी की जाती है। विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला त्योहार माना जाता है। इस दिन ही भगवान राम ने रावण का वध किया था। दशहरे पर देश के कई हिस्सों में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाता है।

इसलिए मनाया जाता है दशहरा

14 वर्ष के वनवास के दौरान लंकापति रावण ने जब माता सीता का अपहरण किया तो भगवान राम ने हनुमानजी को माता सीता की खोज करने के लिए भेजा। हनुमानजी को माता सीता का पता लगाने में सफलता प्राप्त हुई और उन्होंने रावण को लाख समझाया कि माता सीता को सम्मान सहित प्रभु श्रीराम के पास भेज दें। रावण ने हनुमानजी की एक न मानी और अपनी मौत को निमंत्रण दे डाला। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम ने जिस दिन रावण का वध किया उस दिन शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि थी। राम ने 9 दिन तक मां दुर्गा की उपासनी की और फिर 10वें दिन रावण पर विजय प्राप्त की, इसलिए इस त्योहार को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। रावण के बुरे कर्मों पर श्रीरामजी की अच्छाइयों की जीत हुई, इसलिए इसे बुराई पर अच्छाई की जीत के त्योहार के रूप में भी मनाते हैं। इस दिन रावण के साथ उसके पुत्र मेघनाद और उसके भाई कुंभकरण के पुतले भी फूंके जाते हैं।

विजयादशमी के त्योहार मनाने के पीछेएक दूसरी भी पौराणिक मान्यता प्रचलित है। महिषासुर नाम के एक दैत्य ने सभी देवताओं को पराजित करते हुए उनके राजपाठ छीन लिए थे। महिषासुर को मिले वरदान और पराक्रम के काण उसके सामने कोई भी देवता टिक नहीं पा रहा था। तब महिषासुर के संहार के लिए ब्रह्मा, विष्णु और भोलेनाथ ने अपनी शक्ति से देवी दुर्गा का सृजन किया। मां दुर्गा और महिषासुर दैत्य के बीच लगातार 9 दिनों तक युद्ध हुआ और युद्ध के 10वें दिन मां दुर्गा ने असुर महिषासुर का वध करके उसकी पूरी सेना को परास्त किया था। इस कारण से शारदीय नवरात्रि के समापन के अगले दिन दशहरा का पर्व मनाया जाता है और पांडालों में स्थापित देवी दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है।

नीलकंठ के दर्शन करना शुभ

दशहरा पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन करने को बहुत ही शुभ और सौभाग्यशाली माना जाता है। भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि दशहरा के दिन नीलकंठ के दर्शन और भगवान शिव से शुभफल की कामना करने से जीवन में भाग्योदय,धन-धान्य एवं सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पान खाने के महत्व

दशहरे पर भगवान हनुमान को पान अर्पित करने और पान खाने का विशेष महत्व होता है। विजयादशमी पर पान खाना, खिलाना मान-सम्मान, प्रेम एवं विजय का सूचक माना जाता है। दशहरा के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद दहन के पश्चात पान का बीणा खाना सत्य की जीत की खुशी को व्यक्त करता है। इस दिन हनुमानजी को मीठी बूंदी का भोग लगाने बाद उन्हें पान अर्पित करके उनका आशीर्वाद लेने का महत्त्व है।

दशहरे पर बने हैं ये शुभ योग

इस साल दशहरे पर यानी कि 12 अक्तूबर को बेहद शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग इस दिन आपके सभी कामों को सफल बनाएंगे। 12 अक्तूबर को दशहरा के दिन रवि योग पूरे दिन रहेगा, जिससे हर तरह के दोष दूर होंगे। वहीं, सुबह 6 बजकर 20 मिनट से रात 9 बजकर 8 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इस योग में किए गए कामों के सफल होने की संभावना बहुत अधिक होती है। दशहरे पर शस्त्र पूजा करने का शुभ समय दोपहर में 2 बजकर 3 मिनट से दोपहर 2 बजकर 49 मिनट तक है।

दशहरे का महत्व त्रेता युग में आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को ही भगवान श्रीराम ने रावण को पराजित किया था। रावण को अधर्म का प्रतीक माना जाता है। इसलिए दशहरे के दिन रावण का पुतला जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया जाता है। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत हुई थी। दशहरा हमें यह याद दिलाता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है।

पंचकूला सेक्टर-5 के शालीमार ग्राउंड में तैयार 180 फीट का ऊंचा रावण का पुतला जिसे तेज हवा से गिरने के कारण खराब हो जाने के बाद 180 फीट से घटकर 155 फीट का किया गया। यह शहर का सबसे बड़ा और इको फ्रेंडली पुतला है जिसमे ग्रीन पटाखों का प्रयोग किया गया है।

(इनसेट में 155 फीट के पुतले की तस्वीर)

दशहरे पर करें अपराजिता फूल के ये उपाय, दूर-दूर तक नहीं होगी धन की कमी

दशहरे का पर्व मुख्य रूप से भगवान श्री राम की रावण पर विजय के रूप में मनाया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत को भी दशार्ता है। दशहरे के दिन की जाने वाली पूजा में अपराजिता के फूलों को शामिल करना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप इस त्योहार पर अपराजिता के फूल के कुछ उपाय कर काफी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मिलेगा धन लाभ

दशहरे के दिन पूजा-पाठ के दौरान मां लक्ष्मी को अपराजिता के फूल जरूर अर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से साधक को मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और घर में धन-समृद्धि का वास बना रहता है। इसी के साथ इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा में आप उन्हें अपराजिता के 7 फूलों से बनी माला भी अर्पित र सकते हैं। पूजा समाप्त होने के बाद इस माला को अपने घर की तिजोरी में रख लें। ऐसा करने से धन आकर्षित होता है और तिजोरी कभी खाली नहीं होती।

खुलेंगे समृद्धि के मार्ग

यदि आप आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो इसके लिए दशहरे के मौके पर अपराजिता के फूल से ये उपाय कर सकते हैं। इसके लिए मुख्य द्वार पर एक बर्तन में पानी भरकर उनमें कुछ अपराजिता के फूल डालें। ऐसे करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और व्यक्ति के लिए समृद्धि के मार्ग खुलने लगते हैं।

दूर होंगी समस्याएं

यदि आपके घर में श्रीयंत्र स्थापित है, तो आप पूजा के दौरान श्रीयंत्र पर भी अपराजिता के फूल अर्पित कर सकते हैं। इससे साधक को धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। इसी के साथ दशहरे पर 5 अपराजिता के फूल पानी में मिलाकर स्नान करने से भी आपको लाभ मिल देखने को मिल सकता है।

दूर होगी नकारात्मकता

दशहरे के मौके पर घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में किसी बर्तन में अपराजिता के फूलों को डालकर रख दें। इस उपाय को करने से जातक को घर में मौजूद सभी प्रकार की नकारात्मकताओं से छुटकारा मिल सकता है। जिससे गृह-क्लेश जैसी समस्याएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति का माहौल बना रहता है।

अखिलेश ने अपने घर के पास जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

सपा नेता को सुरक्षा कारणों से जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र में करने दिया गया प्रवेश

एजेंसी
लखनऊ

अगर यह त्योहार का दिन न होता तो बांस की बैरिकेडिंग 'समाजवादियों' को जेपीएनआईसी में जाने से नहीं रोक पाती: अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को अपने आवास के बाहर एक वाहन पर रखी जयप्रकाश नारायण की आवक्ष प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अधिकारियों द्वारा सपा नेता को सुरक्षा कारणों से जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) नहीं जाने देने के बाद उनके विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास के बाहर सुबह से ही सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता एकत्र थे। समाजवादी नेता और आपातकाल के प्रखर आलोचक के रूप प्रख्यात दिवंगत जेपी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी पार्टी के बीच टकराव का नवीनतम केंद्र बनकर उभरे हैं। यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से समर्थन वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने समाजवादी विचारक नारायण को श्रद्धांजलि देने से समाजवादी लोगों को रोक दिया। उन्होंने कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख का राजनीतिक उदय जेपी आंदोलन की देन है। यादव ने शुक्रवार सुबह उनके घर के पास बैरिकेड्स लगाने को लेकर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि 'समाजवादियों' को मौके पर जाने से रोकने और समाजवादी विचारक की प्रतिमा पर माल्यार्पण न करने देने के इरादे से ऐसा किया गया। सपा कार्यकर्ता यादव के आवास के बाहर एकत्र हुए थे, तथा सपा प्रमुख के जेपीएनआईसी के निर्धारित दौरे को लेकर अस्पष्टता बनी हुई थी। सुबह करीब साढ़े 10 बजे समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता विक्रमादित्य मार्ग पर एकत्र हुए। सड़क पर अखिलेश यादव ने एक वाहन पर रखी जय प्रकाश नारायण की आवक्ष प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उनके साथ सैकड़ो सपा कार्यकर्ता लाल टोपी पहने हुए थे और नारे लगा रहे थे। उनके साथ सपा नेता लाल बिहारी यादव, राजेंद्र चौधरी, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, राम गोविंद चौधरी समेत अन्य लोग थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा, जयप्रकाश नारायण जी की जयंती के अवसर पर हम हर बार जेपीएनआईसी संग्रहालय जाते हैं। लेकिन पता नहीं यह सरकार हमें ऐसा करने से क्यों रोकती है। उन्होंने कहा, भाजपा द्वारा यह नाकाबंदी पहली बार नहीं की जा रही है। उसने सभी अच्छे कामों को रोक दिया है। हालांकि, आज हम सड़क पर खड़े होकर 'जन-नायक' को याद कर रहे हैं। यह सरकार हमें माल्यार्पण करने से रोकना चाहती है, लेकिन हमने यहीं सड़क पर माला पहना दी। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने यह भी कहा कि अगर यह त्योहार का दिन न होता तो बांस की बैरिकेडिंग 'समाजवादियों' को जेपीएनआईसी में जाने से नहीं रोक पाती। यादव बृहस्पतिवार रात जेपीएनआईसी पहुंचे थे और प्रवेश रोकने के लिए मुख्य द्वार को टिन की चादरों से ढकने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग विध्वंसक हैं। उन्हें कुछ भी अच्छा दो, वे उसे नष्ट कर देंगे। उन्होंने पहले भी हम समाजवादियों को रोका है। आज नवरात्र का नौवां दिन है, यह उत्सव का दिन है। उत्सव के दिन वे किस तरह का 'अधर्म' कर रहे हैं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि यह किस तरह की साजिश है कि भाजपा उत्सव (नवरात्र का नौवां दिन) मना रही है, लेकिन दूसरों को ऐसा करने की अनुमति नहीं दे रही है।

अमेरिकाः तूफान मिल्टन ने फ्लोरिडा में मचाई तबाही, पांच लोगों की मौत

एजेंसी
टैम्पा (अमेरिका)

तूफान 'मिल्टन' अमेरिका के फ्लोरिडा में तबाही मचाने और तेज हवाओं एवं बारिश के साथ क्षेत्र के शहरों को तबाह करने के बाद, बृहस्पतिवार को अटलांटिक महासागर में प्रवेश कर गया। तूफान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। तूफान (हरिकेन) मिल्टन बुधवार रात टैम्पा से लगभग 112 किलोमीटर दक्षिण में स्थित सिएस्टा तट पर श्रेणी-तीन के तूफान के रूप में टकराया था। तूफान के कारण फ्लोरिडा में 34 लाख से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। हालांकि, तूफान के कारण बहुत नुकसान हुआ है लेकिन गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि यह सबसे बुरी स्थिति नहीं है। टैम्पा में जिस प्रलयकारी तूफान की आशंका थी, वैसा देखने को नहीं मिला, लेकिन इलाके में अब भी एक बड़ी आपात स्थिति है। गवर्नर के अनुसार, तूफान के कारण इलाके के कुछ हिस्सों में 18 इंच (45 सेंटीमीटर) बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने कहा है कि खतरा अभी टला नहीं है और फ्लोरिडा के पूर्वी-मध्य तट के अधिकांश भाग और जॉर्जिया के उत्तर में तूफानी लहरों की चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण कैरोलाइना के तट पर उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। फ्लोरिडा के अटलांटिक तट पर फोर्ट पियर्स के पास स्थित स्पेनिश लेक्स कंट्री क्लब को भारी नुकसान पहुंचा है, जहां कई मकान नष्ट हो गए और कुछ निवासियों की मौत हो गई। सेंट लूसी काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि वहां आए तूफान में पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने फ्लोरिडा के 15 इलाकों को खाली करने के आदेश जारी किए, जिनकी कुल आबादी लगभग 72 लाख है। लगभग 80,000 लोगों ने आश्रय स्थलों में रात बिताई तथा हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। वहीं, ऑरलैंडो में, वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड, यूनिवर्सल ऑरलैंडो और सी वर्ल्ड बृहस्पतिवार को बंद रहे। इस बीच, पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट ने तूफान हेलेन और मिल्टन के बाद राहत कार्यों में सहयोग के लिए गैर लाभकारी संस्था 'फीडिंग अमेरिका' को 50 लाख अमेरिकी डॉलर का दान दिया है। गैर-लाभकारी संस्था ने बुधवार को पॉप स्टार के दान की घोषणा की। इसके सीईओ क्लेयर बेबिनॉक्स-फॉंटेनोट ने एक बयान में कहा कि 'फीडिंग अमेरिका' दान देने के लिए उनका आभारी है।

मध्य बेरूत में 22 लोगों की मौत, इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर भी गोलीबारी की

एजेंसी
बेरूत

मध्य बेरूत में बृहस्पतिवार शाम इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 22 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इन हमलों के बाद लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला आतंकवादियों के साथ इजराइल का खूनी संघर्ष और बढ़ गया। हमलों में पश्चिमी बेरूत के अलग-अलग इलाकों में स्थित दो आवासीय भवनों को निशाना बनाया गया। इनमें से एक इमारत ढह गई और दूसरी इमारत की निचली मंजिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। इजराइली सेना ने कहा कि वह कथित हमलों की जांच कर रही है। बेरूत के घनी आबादी वाले दक्षिणी उपनगरों में इजराइली हवाई हमले आम हैं, जहां हिजबुल्ला युद्ध में है। हमलों के बाद हिजबुल्ला के अल मनार टीवी ने बताया कि हिजबुल्ला के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी वाफिक सफा की हत्या का प्रयास विफल हो गया। उसने कहा कि सफा उस इमारत में नहीं था, जहां हमला किया गया। हिजबुल्ला और इजराइल के बीच हाल के कुछ हफ्तों से भीषण संघर्ष जारी है। इससे पहले, फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि गाजा में विस्थापितों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर बृहस्पतिवार को इजराइली हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गयी थी। यह हमला ऐसे दिन हुआ जब इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर गोलीबारी की और उनमें से दो को घायल कर दिया। इस गोलीबारी की जमकर निंदा हुई और इटली के रक्षा मंत्रालय ने विरोध स्वरूप इजराइल के राजदूत को तलब किया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 22 लोग मारे गए और 117 घायल हुए।

पटाखों के जखीरे में विस्फोट से आतिशबाज की मौत, दो अन्य घायल

प्रतापगढ़ (उप्र)। प्रतापगढ़ जिले में नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के जिरियामऊ में पटाखे के जखीरे में विस्फोट होने से एक मकान की दूसरी एवं तीसरी मंजिल ढह गई और उसके मलबे में दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कटरा मेदनीगंज का निवासी मुख्तार अहमद (55) लाइसेंसी आतिशबाज है और वह जिरियामऊ गांव में तीन मंजिला मकान बनाकर वहां सपरिवार रह रहा था। सिंह के अनुसार दशहरा एवं दीपावली के मद्देनजर मुख्तार ने घर की ऊपरी मंजिल पर पटाखा जमा कर रखा था, जहां बीती रात जोरदार विस्फोट होने के बाद गैस सिलेंडर भी फट गया एवं मकान की ऊपरी दो मंजिलें ढह गईं। थाना प्रभारी ने बताया कि मलबे में दबकर मुख्तार, उसकी बहू शबनम एवं बेटी शबनम बानो गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों को मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मुख़्तार को मृत घोषित किया।

तमिलनाडु में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के 2.75 लाख कर्मियों को मिलेगा बोनस एवं अनुग्रह राशिः मुख्यमंत्री

एजेंसी
चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और वैधानिक बोर्ड के 2.75 लाख कर्मचारियों को बोनस तथा अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि समूह सी और डी के तहत लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रमों के सभी पात्र श्रमिकों को न्यूनतम 8,400 रुपये और अधिकतम 16,800 रुपये का बोनस दिया जाएगा, जो 8.33 प्रतिशत बोनस और 11.67 प्रतिशत अनुग्रह राशि के बराबर होगा। जिन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के पास अनुमेय अधिशेष नहीं है, उनके कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत बोनस और 1.67 प्रतिशत अनुग्रह राशि दी जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने 10 अक्तूबर को दिवाली से पहले राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के कुल 2,75,670 कर्मचारियों को बोनस और अनुग्रह राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है।' इसमें कहा गया है कि इस कदम से सरकार 369.65 करोड़ रुपये खर्च करेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएनजीईडीसीओ), राज्य परिवहन उपक्रमों, तमिलनाडु नागरिक आपूर्ति निगम और सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के श्रमिकों तथा कर्मचारियों को 20 प्रतिशत बोनस एवं अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड और चेन्नई मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति तथा जल निकासी बोर्ड में समूह सी एवं डी के कर्मचारियों को 10 प्रतिशत बोनस और अनुग्रह राशि मिलेगी। तमिलनाडु जल आपूर्ति एवं जल निकासी बोर्ड के कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत बोनस दिया जाएगा तथा नागरिक आपूर्ति निगम के कर्मचारियों को 3,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

पाकिस्तान में बंदूकधारियों के हमले में 20 खनिकों की मौत, कई घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में बंदूकधारियों ने 20 खनिकों की हत्या कर दी और सात को घायल कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में यह नवीनतम हमला देश की राजधानी में आयोजित होने वाले एक प्रमुख सुरक्षा शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले किया गया। पुलिस अधिकारी हमायूं खान नासिर ने बताया कि बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार देर रात डुकी जिले में कोयला खदान के निकट स्थित घरों पर धावा बोला। बंदूकधारियों ने लोगों को इकट्ठा किया और फिर उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। ज्यादातर पीड़ित लोग बलूचिस्तान के पश्तून-भाषी इलाकों से थे। मृतकों में से तीन और घायलों में से चार लोग अफगान मूल के बताये जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह प्रांत अलगाववादी समूहों का गढ़ है, जो आजादी चाहते हैं। वे इस्लामाबाद की संघीय सरकार पर स्थानीय लोगों की कीमत पर तेल एवं खनिज-समृद्ध बलूचिस्तान का अनुचित दोहन करने का आरोप लगाते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में की कटौती

सियोल। दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने चार साल से अधिक समय में पहली बार शुक्रवार को अपनी नीतिगत दर में कटौती की। बैंक ऑफ कोरिया ने अपनी मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपनी प्रमुख ब्याज दर को एक चौथाई प्रतिशत घटाकर 3.25 प्रतिशत कर दिया। यह मई 2020 के बाद से कर्ज लेने की लागत को कम करने का पहला कदम है, जब अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रही थी। बैंक ने मुद्रास्फीति और बढ़ते घरेलू ऋण के बारे में चिंताओं के बीच अगस्त 2021 में दर में एक चौथाई प्रतिशत की वृद्धि की थी और फिर तीन साल से अधिक समय तक दरों को स्थिर रखा। केंद्रीय बैंक के गवर्नर री चांग-यॉन्ग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अर्थव्यवस्था में अब भी अतिरिक्त कटौती की क्षमता है। राजधानी क्षेत्र में मकानों की कीमतें अगस्त की तुलना में सितंबर में दो तिहाई कम बढ़ी हैं। देश की उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति भी सितंबर में घटकर 1.6 प्रतिशत रह गई, जो दो प्रतिशत के नीतिगत लक्ष्य से कम है। हालांकि, री ने कहा कि यह निष्कर्ष निकालना अब भी जल्दबाजी होगी कि देश की वित्तीय स्थिति स्थिर हो रही है या नहीं। उन्होंने संकेत दिया कि बैंक आगे भी ब्याज दरों में कटौती के मामले में रूढ़िवादी रुख अपनाएगा। री ने कहा, 'हम वित्तीय बाजारों में स्थिरता पर गौर करने के बाद निर्णय लेंगे।'

सितंबर में जीवन बीमा कंपनियों का नया कारोबार प्रीमियम 14 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। जीवन बीमा कंपनियों ने सितंबर में नई पॉलिसी जारी कर कुल 35,020 करोड़ रुपये का प्रीमियम संग्रह किया जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि है। उद्योग निकाय 'जीवन बीमा परिषद' की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले इसी महीने में जीवन बीमा कंपनियों का नई पॉलिसी से प्रीमियम संग्रह 30,716 करोड़ रुपये रहा था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में नई पॉलिसी का प्रीमियम संग्रह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1,58,377 करोड़ रुपये से 19 प्रतिशत बढ़कर 1,89,214 करोड़ रुपये हो गया। व्यक्तिगत उपभोक्ताओं की तरफ से बीमा सुरक्षा की मांग मजबूत रहने से पिछले महीने नई पॉलिसियों में सालाना आधार पर 45.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान 32,17,880 नई पॉलिसियां जारी की गईं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 22,11,680 पॉलिसियां जारी हुई थीं। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के मुताबिक, जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम सितंबर में 13 प्रतिशत बढ़कर 5,142 करोड़ रुपये रहा। इसमें सालाना आधार पर 14.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने सितंबर में 20,369 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम जुटाया, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि है। निजी क्षेत्र का कुल प्रीमियम 12 प्रतिशत बढ़कर 73,664 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले इसी महीने में 65,734 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।

ए आर रहमान कमला हैरिस के लिए एक संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे

वाशिंगटन। संगीतकार ए आर रहमान अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की ऐतिहासिक उम्मीदवारी का जश्न मनाने के वास्ते एक लाइव संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। चंदा जुटाने वाली एक भारतीय-अमेरिकी संस्था ने यह जानकारी दी। 'एशियन अमेरिकन पैसिफिक आइलैंडर्स (एएपीआई) विक्ट्री फंड' ने बृहस्पतिवार शाम को यह जानकारी साझा की। एएपीआई ने अगले महीने होने वाले चुनाव के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया है। एएपीआई विक्ट्री फंड ने घोषणा की, ए आर रहमान के साथ एक बहुत ही खास शाम। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की ऐतिहासिक उम्मीदवारी का जश्न मनाने के लिए ए आर रहमान के साथ विश्व स्तरीय लाइव संगीत समारोह का आनंद लें, जो सीधे आपके घर पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस आयोजन के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है और रहमान ने अभी तक सोशल मीडिया पर इसके बारे में कोई पोस्ट नहीं किया है।

महिला पर तेजाब से हमला करने की धमकी देने पर एक व्यक्ति को कंपनी ने नौकरी से निकाला

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक बिजनेस डेवलपमेंट प्रोफेशनल को एक महिला के चेहरे पर कथित तौर पर तेजाब फेंकने की धमकी देने के मामले में कंपनी से निकाल दिया गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रोफेशनल ने एक व्यक्ति को धमकी दी थी कि वह उसकी पत्नी के कपड़ों के चयन को लेकर उसके चेहरे पर तेजाब फेंक देगा। पुलिस ने भी आरोपी निकित शेट्टी (कर्मचारी) के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। शेट्टी ने नौ अक्तूबर को अंसार नामक व्यक्ति को एक निजी संदेश में कथित तौर पर कहा, ...कृपया अपनी पत्नी को अच्छे कपड़े पहनने के लिए कहें, खासकर कर्नाटक में, अन्यथा मैं उसके चेहरे पर तेजाब फेंक सकता हूं। इसके बाद अंसार ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और इसका स्क्रीनशॉट भी उनके साथ साझा किया। अंसार ने एक सोशल मीडिया पर पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री कार्यालय और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को टैग करते हुए पोस्ट में कहा, यह गंभीर मामला है। यह व्यक्ति मेरी पत्नी के कपड़ों के चयन के कारण उसके चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दे रहा है। कृपया इस व्यक्ति के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। अंसार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस संगठन में महिलाएं सुरक्षित हैं। एक इंटरनेट उपयोगकर्ता द्वारा मामला संज्ञान में लाने के बाद शेट्टी की कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया। अंसार ने लिखा, जिस आदमी ने मेरी पत्नी ख्याती श्री पर तेजाब से हमला करने की धमकी दी थी, उसे नौकरी से निकाल दिया गया है। कंपनी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे नौकरी से निकाल दिया।

असम की जेल से पांच विचाराधीन कैदी फरार

मोरीगांव। असम की मोरीगांव जिला जेल से शुक्रवार तड़के पांच विचाराधीन कैदी फरार हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मोरीगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कैदियों के जेल से भागने की घटना रात एक और दो बजे के बीच हुई। उन्होंने कहा, 'पांचों विचाराधीन कैदी बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत आरोपी हैं। उन्हें मोरीगांव और सोनितपुर जिलों से गिरफ्तार किया गया था।' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कैदियों ने लोहे की सलाखें (ग्रिल) तोड़ दी और फिर चादर, कंबल तथा लुंगी को रस्सी के रूप में इस्तेमाल वे जेल की 20 फुट ऊंची दीवार से नीचे उतर गए। उन्होंने कहा कि फरार कैदियों को गिरफ्तार करने के लिए तलाश अभियान चल रहा है। शर्मा ने कहा कि इस घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गये हैं।

बांग्लादेश में मंदिर से मुकुट चोरी होने पर भारत चिंतित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान जेशोरेश्वरी काली मंदिर को उपहार स्वरूप भेंट की गयी धार्मिक वस्तु की कथित चोरी के मामले में भारत ने बांग्लादेश से जांच करने का आग्रह किया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में, ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने धार्मिक वस्तु की चोरी पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा अधिकारियों से उसे बरामद करने और तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसमें कहा गया, 'हमने 2021 में बांग्लादेश यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जेशोरेश्वरी काली मंदिर (सतखीरा) में भेंट किए गए मुकुट की चोरी की खबरें देखी हैं।' इसमें कहा गया है, 'हम गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने, मुकुट को बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।' भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि चोरी की इस कथित घटना से नई दिल्ली बहुत चिंतित है। उन्होंने बताया कि ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग इस मुद्दे पर बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में है।

लड़कियों को नेतृत्व के समान अवसर मिलने चाहिए, केवल नारे लगाने से बदलाव नहीं आ सकताः खरगे

एजेंसी
नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि लड़कियों को नेतृत्व करने का समान अवसर मिलना चाहिए और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी शामिल किया जाना चाहिए। खरगे ने जोर देकर कहा कि केवल नारे लगा देने से वास्तविक बदलाव नहीं आ सकता। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास हासिल करने के लिए लैंगिक समानता और न्याय आवश्यक है। खरगे ने कहा, 'इस वर्ष का विषय है, 'भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण', जो लड़कियों की आवाज की ताकत और भविष्य के लिए दृष्टि पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और निरंतर आशा को व्यक्त करता है।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को बदलाव की अग्रिम पंक्ति में रखकर, उनकी आवाज को बुलंद करके, उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करके उन्हें नेतृत्व का समान अवसर मिल सके।' उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाने से वास्तविक बदलाव नहीं आ सकता। खरगे ने कहा कि लड़कियों की बात सुनना और ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश करना महत्वपूर्ण है, जिससे भविष्य में प्रगति में तेजी आएगी और इससे हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर, 2011 को बालिकाओं के अधिकारों और दुनिया भर में उनके सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को मान्यता देने के लिए 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया था।

दिल्ली में 3.3 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, दो नाइजीरियाई नागरिक और टैक्सी चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो विदेशी नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 3.3 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार किये गये दो नाइजीरियाई नागरिकों के पास से 563 ग्राम कोकीन जब्त किया है। दोनों नाइजीरियाई नागरिकों को एक टैक्सी चालक के साथ 27 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नाइजीरियाई नागरिक जोशुआ अमराचुक्वा (30) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके चालक या सहयोगी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान 24 वर्षीय विनीत के रूप में की गयी है।' पुलिस के अनुसार अमराचुक्वा के पास से 257 ग्राम कोकीन जब्त की गई। पूछताछ के दौरान अमराचुक्वा ने खुलासा किया कि एक अन्य नाइजीरियाई नागरिक माइक ने उसे नशीला पदार्थ मुहैया कराया था।

नोएल टाटा होंगे टाटा ट्रस्ट्स के नए चेयरमैन

एजेंसी
मुंबई

दिवंगत रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा अब 'टाटा ट्रस्ट्स' के चेयरमैन होंगे। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नोएल का चयन निदेशक मंडल की बैठक में किया गया। रतन टाटा की छत्रछाया में अधिकतर काम करने के बाद नोएल (67) को अब 'टाटा ट्रस्ट्स' का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलेगी। इसमें मोटे तौर पर सर रतन टाटा ट्रस्ट एंड अलाइड ट्रस्ट्स और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट एंड अलाइड ट्रस्ट शामिल हैं, जिनके पास टाटा संस की नियंत्रक 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस, टाटा समूह की कंपनियों की होल्डिंग व प्रवर्तक कंपनी है। नोएल, सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के निदेशक मंडल में न्यासी (ट्रस्टी) हैं। रतन टाटा (86) का बुधवार रात आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से निधन हो गया था। इसके बाद ही 'टाटा ट्रस्ट्स' के चेयरमैन के पद के लिए उनके उत्ताराधिकारी की तलाश शुरू हुई। उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए टाटा ट्रस्ट बोर्ड की बैठक हुई और नोएल टाटा के नाम पर अंतिम मोहर लगी। उत्तराधिकारी के नाम की औपचारिक घोषणा आज शाम की जाने की उम्मीद है। नोएल 1999 से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं और खुदरा इकाई ट्रेंट के चेयरमैन हैं, जो वेस्टसाइड तथा जूडियो जैसी श्रृंखला का कारोबार देखती है। इसका बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है। वह वोल्टास और टाटा इंटरनेशनल के चेयरमैन भी हैं। नोएल की पत्नी अलू मिस्त्री हैं, जो दिवंगत साइरस मिस्त्री की बहन हैं। अलू मिस्त्री शापूरजी पालोनजी परिवार का हिस्सा हैं, जो 18.4 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ टाटा संस का सबसे बड़ा निजी शेयरधारक है। साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाए जाने के बाद से शापूरजी पालोनजी समूह और टाटा के बीच संबंध अच्छे नहीं रहे हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भारत-भूटान ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी
नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ और उनके भूटानी समकक्ष ल्योनपो चोग्याल दागो रिगडजिन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दोनों पड़ोसी देशों ने न्यायिक और कानूनी सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। प्रधान न्यायाधीश सात अक्तूबर से 10 अक्तूबर तक भूटान की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने भूटान के राजा, राजकुमारी सोनम देचन वांगचुक और प्रधान मंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से भी मुलाकात की और उनके साथ दोनों देशों के बीच 'मित्रता और सहयोग के अप्रतिम और विशेष संबंधों' सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने नौ अक्तूबर को अपने भूटानी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय न्यायिक सहयोग को मजबूत करने के तौर- तरीकों पर चर्चा की। उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, 'भूटान के उच्चतम न्यायालय परिसर में दोनों देशों के मुख्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनका उद्देश्य भारत और भूटान के बीच न्यायिक और कानूनी सहयोग बढ़ाना है।' न्यायालय ने बताया, 'इनमें न्यायिक सहयोग बढ़ाने पर दोनों देशों के शीर्ष न्यायालयों के बीच समझौता ज्ञापन पर; राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल और भूटान राष्ट्रीय विधि संस्थान के बीच कानूनी शिक्षा और दोनों संस्थाओं के बीच क्षमता निर्माण में सहयोग पर समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण; कानूनी शिक्षा और अनुसंधान पर नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु और जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ के बीच समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण; और मध्यस्थता को मजबूत करने और बढ़ावा देने के मामले में सहयोग के लिए भारतीय मध्यस्थता परिषद और भूटान वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर शामिल हैं।'

फैसला

बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को 'एक्स' पर दी जानकारी

बसपा अब किसी भी राज्य में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन नहीं करेगी : मायावती

हाल में हरियाणा विस आम चुनाव में बसपा और इंडियन नेशनल लोकदल इनेलो (इनेलो) ने गठबंधन किया था

एजेंसी
लखनऊ

हरियाणा विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक भी सीट हासिल न होने के बाद पार्टी प्रमुख मायावती ने फैसला किया है कि उनकी पार्टी अब किसी भी राज्य में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि विधानसभा चुनावों में भी गठबंधन के तहत बसपा के वोट दूसरे दल को मिल जाते हैं लेकिन उन दलों द्वारा अपने वोट बसपा को अंतरित नहीं करा पाने की वजह अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कार्यकताओं को निराशा एवं उसके फलस्वरूप आंदोलन को संभावित हानि को बचाना जरूरी है, इसीलिए अब पार्टी क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन नहीं करेगी। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को 'एक्स' लिखा," उत्तर प्रदेश सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बसपा के वोट गठबंधन की दूसरी पार्टी को मिल जाने, किन्तु बसपा को अपने वोट दिलाने की क्षमता उनमें (उन दलों में) नहीं होने के कारण अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने पर पार्टी कार्यकताओं को निराशा एवं उससे आंदोलन को होने वाली हानि को बचाना जरूरी है।' उन्होंने लिखा, 'इसी संदर्भ में हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम एवं इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर आज हरियाणा एवं पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से अब आगे गठबंधन नहीं करने का निर्णय लिया गया, जबकि भाजपा/राजग एवं कांग्रेस/ 'इण्डिया' गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी।' मायावती ने कहा, 'देश की एकमात्र प्रतिष्ठित आंबेडकरवादी पार्टी बसपा एवं उसके आत्म-सम्मान और स्वाभिमान तथा इस आंदोलन को हर प्रकार से कमजोर करने की चौतरफा जातिवादी कोशिशें लगातार जारी हैं।" बसपा नेता ने कहा," बसपा विभिन्न पार्टियों/संगठनों एवं उनके स्वार्थी नेताओं को जोड़ने के लिए नहीं है, बल्कि 'बहुजन समाज' के विभिन्न अंगों को आपसी भाईचारा एवं सहयोग के बल पर संगठित कर एक राजनीतिक शक्ति बनाने एवं उनको शासक वर्ग बनाने का आंदोलन है, जिसे अब इधर-उधर में ध्यान भटकाना अति-हानिकारक है।' हाल में हरियाणा विधानसभा आम चुनाव में बसपा और इंडियन नेशनल लोकदल इनेलो (इनेलो) ने गठबंधन किया था। लेकिन बसपा का खाता तक नहीं खुला था। परिणाम के बाद मायावती ने कहा था कि हरियाणा विधानसभा आमचुनाव बसपा एवं इनेलो ने मिलकर लड़ा किन्तु परिणाम से स्पष्ट है कि जाट समाज के जातिवादी लोगों ने बसपा को वोट नहीं दिया जिससे बसपा उम्मीदवार कुछ सीटों पर थोड़े वोटों के अन्तर से हार गए, हालांकि बसपा के सभी वोट इनेलो को मिले थे।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कर्मचारियों और पेंशनरों को चार प्रतिशत मंहगाई भत्ता देने की घोषणा की

सीएम ने 28 तारीख को सैलरी, डीए की किस्त देने का ऐलान किया

सिटी दर्पण
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों तथा पेंशनरों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि गंभीर वित्तीय स्थिति के बावजूद प्रदेश सरकार हमेशा कर्मचारियों की हितैषी रही है।

उन्होंने प्रदेश सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को 1 जनवरी, 2023 से देय मंहगाई भत्ते की चार प्रतिशत किस्त देने की घोषणा की जिससे प्रदेश के 1 लाख 80 हजार कर्मचारी और 1 लाख 70 हजार पेंशनर लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मंहगाई भत्ता देने से राजकीय कोष पर लगभग 600 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने दीपावली पर्व के उपलक्ष्य पर सभी कर्मचारियों और पेंशनरों का अक्तूबर माह का देय वेतन व पेंशन का भुगतान इसी माह 28 अक्तूबर को करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पेंशनरों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए 10 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है और उनके सभी लम्बित चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के निपटान के लिए सभी विभागों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 75 वर्ष या इससे अधिक आयु के पेंशनरों का पूरा बकाया एरियर देने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 20 हजार रुपये वेतन एरियर की अतिरिक्त किस्त की अदायगी करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक हिमाचल एक आत्मनिर्भर राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई वित्तीय संकट नहीं है। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल, विधायक हरीश जनारथा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, वित्त सचिव देवेश कुमार, सचिव

मुख्यमंत्री ने शहनाई वादक सूरजमणि के निधन पर शोक जताया

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शहनाई वादक सूरजमणि के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मंडी जिले के चच्योट निवासी सूरजमणि ने देश-विदेश में अपनी कला की छाप छोड़ी। मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की सांस्कृतिक संध्याओं की शुरूआत उनकी शहनाई से होती थी। वे हिमाचल के बिस्मिल्लाह खां के नाम से विख्यात थे। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सूचना एवं जन सम्पर्क राकेश कंवर, निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क राजीव कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने धर्मगुरू श्रीश्री रविशंकर से भेंट की

सिटी दर्पण
शिमला

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धमार्णी ने बंगलुरू के एनटीटीएफ के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा कर विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हिमाचल में युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए मार्केट की डिमांड के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

युवाओं को इंजीनियरिंग कॉलेज में ए.आई. और डाटा साईस आधारित डिप्लोमा कोर्स करवाए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा के माध्यम से युवाओं को स्वावलम्बी बनने का अवसर उपलब्ध करवाएं जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने एनटीटीएफ के प्रबन्ध निदेशक बी.वी. सुदर्शन से ऑटोमेशन, कनैक्शन, कलॉड कम्पयूटिंग जैसे पाठ्यक्रमों के बारे में गहनता से विचार-विमर्श किया। इसके उपरांत उन्होंने कर्नाटक एन्टीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल लिमिडेड के टेक्निकल एडवाइजर के.एल झाला के साथ फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में फार्मा के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और उनके कौशल संवर्धन की दिशा में संयुक्त प्रयास करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंन कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल को देश का फार्मा हब बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और इससे फामेर्सी के बच्चों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बंगलूरू में धर्मगुरू श्री श्री रविशंकर से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने धर्मगुरू के साथ युवा शक्ति को नशे की बुराई से बचाने की आवश्यकता के बारे में विचार विमर्श किया। उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग को हिमाचल में युवाओं को नशे की दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह भी किया। उन्होंने धर्मगुरू को बताया कि हिमाचल में नशे के विरूद्ध जीरो टॉलरन्स नीति को अपनाया जा रहा है और नशे की तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा संचालित आईटीआई केंद्रों का भी दौरा किया। प्रदेश व कर्नाटक के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

ठोस कचरा प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सिटी दर्पण
रिकांग पिओ

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता देवन खन्ना ने आज जनजातीय जिला किन्नौर में जिला विकास कार्यालय द्वारा ठोस कचरा प्रबंधन पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता की तथा उपस्थित लोगों को ठोस कचरा प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अधिवक्ता देवन खन्ना ने बताया कि इस एक दिवसीय कार्यशाला को आयोजित करने का उद्देश्य जिला किन्नौर के लोगों को ठोस कचरे के उचित निपटान बारे विस्तृत जानकारी प्रदान करना है ताकि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर किन्नौर जिला को स्वच्छ व सुंदर रखा जा सके तथा आने वाली पीढ़ी को साफ-सुथरा पर्यावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने उपस्थित जनों को ठोस कचरा प्रबंधन के तहत कचरे के उचित निपटान के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी दी जिसके तहत ठोस कचरा प्रबंधन के रिसाईकिलंग, सफाई के लिए गड्ढों की भराई, भस्मीकरण, खाद के रूप में कचरे का प्रयोग, कृमि संवर्धन एवं पायरोलिसिस जैसे प्रकारों के क्रियान्यवन पर प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने जिलावासियों से भी आग्रह किया कि सभी अपने घर से निकलने वाले कचरे का सही प्रकार से निष्पादन करें ताकि किन्नौर जिला को सुंदर व स्वच्छ तथा पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सके।

आईजीएमसी के नॉन फंक्शनल ट्रामा सेंटर से ढाई करोड़ की चपत: जयराम ठाकुर

सिटी दर्पण
शिमला

- सुक्खू सरकार का एक और घोटाला उजागर, भ्रष्टाचार ही कांग्रेस सरकार की एकमात्र उपलब्धि
- बिना एक भी मरीज के भर्ती हुए डेढ़ साल से कागजों पर चल रहा है नया ट्रामा सेंटर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार में एक और घोटाला सामने आया है। यह घोटाला ट्रामा सेंटर में मैन पॉवर उपलब्ध करवाने के नाम पर हुआ। डेढ़ साल से बंद पड़ा आईजीएमसी का नव निर्मित ट्रामा सेंटर सिर्फ कागजों में चल रहा था और वहां पर अलग-अलग समय में सपोर्टिव और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति ठेकेदार के माध्यम से कर दी गई थी। अपने चहेतों को लाभ दिलवाने के लिए सभी कायदे कानून ताक पर रख दिए गए। एक बंद पड़े ट्रामा सेंटर में सैकड़ों कर्मचारी की नियुक्ति की गई और बिना एक भी मरीज का इलाज किए ट्रामा सेंटर के मैन पॉवर के नाम पर दो करोड़ तीस लाख का बिल सरकार पर लाद दिया गया। गौरतलब है कि मैन पॉवर के लिए आने वाले खर्च को केंद्र सरकार द्वारा उठाया जा रहा है। यह केंद्र द्वारा जनहित के लिए भेजे गए पैसों की खुलेआम लूट है। फाइनेंस प्रूडेंश और फाइनेंस डिसिप्लिन के नाम पर कर्मचारियों का वेतन और पेंशनधारकों की पेंशन रोकने वाले वाले मुख्यमंत्री की नाक के नीचे इस तरह से जनहित के काम में आने वाले पैसों को अपने चहेतों में बांटा जा रहा है। जयराम ठाकुर ने कहा कि हर दिन सुक्खू सरकार के कारनामें बाहर आ रहे हैं। नया मामला लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ के साथ साथ केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए पैसे की बंदरबांट का है। केंद्र सरकार के सहयोग से बने आईजीएमसी के ट्रामा सेंटर का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने फीता काटने और पट्टिका लगवाने के शौक में मुख्यमंत्री ने पिछले साल 09 मार्च को कर दिया और उसी के साथ ही मैन पॉवर की भर्ती के लिए अपने चहेते ठेकेदारों को ऑर्डर भी दे दिया। अपेक्षित मैनपॉवर को ठेकेदारों ने ट्रामा सेंटर में नियुक्ति भी दे दी लेकिन सरकार ट्रामा सेंटर को फंक्शनल करना भूल गई। बिना इलाज किए हर महीनें ठेकेदार का बिल बनता रहा। धीरे-धीरे बढ़कर यह राशि 2 करोड़ 30 लाख हो गई। जिससे भुगतान के लिए अब ठेकेदारों ने जोर लगाना शुरू कर दिया। बीते कल ट्रामा सेंटर के फंक्शनल करने आए मुख्यमंत्री से भी ट्रामा सेंटर में तैनात कर्मचारियों ने मुलाकात की और वेतन न मिलने की शिकायत की। इसको लेकर कई बार प्रदर्शन भी किया जा चुका है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने विभिन्न समय पर ट्रामा सेंटर के लिए अलग-अलग पदों पर जिसमें सपोर्टिव स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल है के लिए भर्तियां निकाली और आउट सोर्स के माध्यम से उन्हें भरा गया। सूचना के अधिकार के तहत हासिल किए गए डॉक्यूमेंट के आधार पर पता चलता है कि रेडियोग्राफर, फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय ट्रॉली मैन सफाई कर्मचारी के कुल 126 पदों पर अलग-अलग समय में नियुक्तियां हुई।

संक्षिप्त-समाचार

राज्यपाल करेंगे अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा का शुभारंभ, ये रहेगा आकर्षक का केंद्र

शिमला। देवी-देवताओं के महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में इस बार भगवान रघुनाथ की रथयात्रा 13 अक्तूबर को चार बजे से पहले शुरू होगी। इस पर भगवान रघुनाथ के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह ने हामी भरी है। शुक्रवार को सीपीएस एवं दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह ठाकुर ने परिधि गृह में पत्रकार वार्ता में कहा कि 13 अक्तूबर को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल दशहरा उत्सव का शुभारंभ करेंगे। वह रघुनाथ की रथयात्रा में शामिल होंगे और शाम को सरकारी विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद भगवान रघुनाथ के दर्शन करेंगे। शाम को कलाकेंद्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ करेंगे। दशहरा उत्सव को पिछले साल के मुकाबले इस बार और भी शानदार तरीके से मनाया जाएगा। कल्चरल परेड और कुल्लू कार्निवल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दशहरा उत्सव में विदेशी राजदूतों के साथ सम्मेलन होगा। सीएम की अध्यक्षता में उद्योग, पर्यटन और संस्कृति के आदान-प्रदान पर बातचीत होगी। 15 से 18 अक्तूबर तक राष्ट्रीय और ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता होगी। वॉलीबाल, कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता होगी। लोगों के मनोरंजन के लिए रथ मैदान में लालड़ी प्रतियोगिता होगी। सुंदर सिंह ने कहा कि इस बार दशहरा में पिछले साल के मुकाबले अधिक देवी-देवताओं के आने की उम्मीद है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री की दशहरा उत्सव पर प्रदेशवासियों को बधाई दी

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दशहरा उत्सव के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। राज्यपाल ने कहा कि दशहरा उत्सव बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पर्व प्रदेश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भी प्रदेश के लोगों को दशहरा उत्सव के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारे नैतिक मूल्यों और परम्पराओं को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव प्रदेश के लोगों के जीवन में प्रसन्नता, शांति एवं खुशहाली लाएगा।

मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत अनाथ बच्चों को मिलेगी कोचिंग

शिमला। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत अनाथ बच्चों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने पर चर्चा के लिए आज उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में शिमला के प्रसिद्ध कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उपायुक्त कश्यप ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य सरकार ने अनाथ बच्चों को प्राज्य के बच्चेष का दर्जा दिया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनकी सभी देखभाल और शैक्षिक खर्च पूरी तरह से सरकार द्वारा कवर किए जाएंगे। इस पहल के हिस्से के रूप में, इन बच्चों को कोचिंग सुविधाएं प्रदान करने के प्रावधान किए गए हैं, और आज की बैठक का उद्देश्य इस उद्देश्य के लिए कोचिंग केंद्रों के साथ सहयोग करना है। कश्यप ने बताया कि सरकारी निदेर्शों के अनुरूप प्रत्येक जिले के लिए कोचिंग सेंटरों की एक सूची तैयार की जाएगी, जिसके बाद पात्र बच्चों को इन संस्थानों में कोचिंग तक पहुंच प्रदान की जाएगी। गहन चर्चा के बाद, महिला एवं बाल विकास विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने का निर्देश दिया गया कि पात्र बच्चों को योजना से लाभ मिले। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी ममता पॉल, कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष जिला स्तरीय दशहरा महोत्सव के समापन समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

चंबा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 12 अक्तूबर को सांय 7 बजे सिहुंता में जिला स्तरीय दशहरा महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि शामिल होंगे । विधानसभा अध्यक्ष के प्रवास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि वह 12 अक्तूबर को शाम 6 बजे शाहपुर से सिहुंता पहुंचेंगे तथा 7 बजे जिला स्तरीय दशहरा महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाग लेंगे । विधानसभा अध्यक्ष 13 अक्तूबर को दोपहर बाद धर्मशाला रवाना होंगे। कुलदीप सिंह पठानिया के जारी प्रवास कार्यक्रम की निरंतरता में 15 अक्तूबर को देर सांय सिहुंता पहुंचेंगे। विधानसभा अध्यक्ष 16 अक्तूबर को प्रातः 11रू30 बजे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुवाड़ी में पीजी कक्षाओं का शुभारंभ करेंगे तथा महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। 17 अक्तूबर को दोपहर 12 बजे विधानसभा अध्यक्ष बकलोह में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष 18 अक्तूबर को शिमला के लिए रवाना होंगे।

जाखू में मुख्यमंत्री रिमोट से करेंगे रावण के पुतले का दहन

शिमला। बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा देश भर में धूमधाम से मनाया जाता है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के जाखू मन्दिर के प्रांगण में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू रावण दहन करेंगे। इससे पहले उपायुक्त शिमला और शिमला पुलिस अधीक्षक सुरक्षा और व्यवस्था का निरीक्षण करने जाखू मंदिर पहुंचे। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि दशहरा बहुत महत्वपूर्ण उत्सव है इसको देखते हुए जाखू में भी व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है। डीसी शिमला ने कहा कि जाखू मंदिर में व्यवस्था को लेकर एसपी, एसडीएम समेत अधिकारी यों ने व्यापक समीक्षा की है। रावण कुंभकरण मेघनाथ के पुतले बनाने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगभग साढ़े पांच बजे जाखू मंदिर पहुंचेंगे और 5:50 पर रिमोट कंट्रोल के माध्यम से रावण दहन होगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मात्रा में लोग यहां पहुंचते हैं और 6 से 7 हजार लोगों के आने की उम्मीद की जा रही है। इसको देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान एसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने बताया कि दशहरा बुराई पर अच्छाई का जीत है। उन्होंने कहा कि जाखू मंदिर में दशहरा उत्सव ऐतिहासिक परंपरा रहा है इसकी महत्वता है इसको देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने अपनी तैयारी कर ली है। सुबह 10:30 बजे के बाद दशहरे के दिन जाखू मंदिर के लिए वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी जाएगी।

जेपी नड्डा ने नयना देवी मंदिर में टेका माथा

सिटी दर्पण
शिमला

- बोले- हरियाणा, जेएंडके का चुनाव बता रहा देश का मिजाज

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव देश का मिजाज बता रहा है। किसान, युवा और महिलाएं सभी कमल के साथ खड़े हैं। कांग्रेस ने चुनाव में युवाओं, महिलाओं, दलितों को बरगलाने का काम किया, लेकिन जनता ने राष्ट्रवादी ताकतों को मजबूती प्रदान कर कांग्रेस को मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि महाराष्ट्र, दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भी जनता कमल को खिलाएगी।

नड्डा शुक्रवार को नवमी के दिन सुबह मां श्री नयना देवी के दरबार में पूजा-अर्चना करने के बाद दबट स्थित अपनी कुलदेवी के मंदिर पहुंचे। यहां पूजा-अर्चना के बाद दोपहर के समय बिलासपुर के परिधि गृह पहुंचे, जहां कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। जलेबी-पकौड़े, लड्डू बांटकर हरियाणा में जीत की खुशी मनाई। जनसमूह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि हरियाणा व जेएंडके के चुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी का रुझान कमल की तरफ है।

राजनीति में भोलेपन की नहीं, बल्कि गहराई तक पहुंचने की आवश्यकता रहती है। जेएंडके चुनाव में भाजपा का न केवल वोट शेयर बढ़ा है, बल्कि सीट शेयर में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले जहां 25 सीटें हुआ करती थीं, वहीं इस बार यह आंकड़ा बढ़कर 29 तक पहुंच गया है। पहले वोटिंग परसेंटेज 6 से 8 फीसदी तक रहती थी, मगर इस बार यह आंकड़ा साठ फीसदी से अधिक पहुंच गया। समाज में यह एक बड़ा बदलाव है।

जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश व समाज को बांटने का काम किया। भाई को भाई से लड़ाया गया। मगर मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास के नारे को बुलंद किया गया है। इस मौके पर विधायक रणधीर शर्मा, जेआर कटवाल, त्रिलोक जमवाल, जिलाध्यक्ष स्वतंत्र सांख्यान, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी स्वदेश ठाकुर व विक्रम शर्मा, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग इत्यादि मौजूद रहे।

30 अक्तूबर से 02 नवम्बर तक आयोजित होगा राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव

सिटी दर्पण
रिकांग पिओ

चार दिवसीय राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव के आयोजन को लेकर आज रिकांग पिओ में राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत मामले मन्त्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व मन्त्री ने जानकारी दी कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव 30 अक्तूबर से 02 नवम्बर तक रिकांग पिओ के मिनी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। उन्होने कहा कि पिछले वर्षो की तरह इस वर्ष भी चार दिवसीय किन्नौर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिता व विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनियां लगाई जाएगी। उन्होने विभिन्न को निर्देश दिये की प्रदर्शनियां राज्य स्तर का होना चाहिए और सभी विभाग सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों को प्रदर्शित करते हुए प्रदर्शनी लगाएं ताकि आम जनता सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले में आम लोगो की सुविधा के लिए जल शक्ति विभाग को अस्थायी शौचालयों लगाने के भी निर्देश दिये। मिनी स्टेडियम में मेले के आयोजन के लिए अन्य कार्यो को भी समय रहते पूर्ण करने को कहा।

बैठक में मेले के शुभारम्भ व समापन के लिए मुख्य अतिथि का निर्णय बाद में लेने का निर्णय हुआ और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन व खेलकूद प्रतियोगिता के सब कमेटियों का भी गठन किया गया जिसमें सरकारी सदस्यों के साथ गैर सरकारी सदस्यों को भी रखा गया ताकि मेले के आयोजन में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को अधिक से अधिक मौका दिया जाएगा। अपनी प्राचीन सांस्कृतिक को बचाए रखने के लिए अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिओं के साथ-साथ शहनाई प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

राजस्व मंत्री ने शीत ऋतु के दौरान होने वाली बर्फबारी के लिए सभी आवश्यक प्रबंध पूर्ण करने के दिए निर्देश

किन्नौर के हर विद्युत उपभोक्ता को 240 वोल्टेज बिजली करवाई जाएगी उपलब्ध

सिटी दर्पण
रिकांग पिओ

राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज जिला किन्नौर के रिकांग पिओ स्थित आई.टी.डी.पी भवन के सम्मेलन कक्ष में विद्युत विभाग किन्नौर के अधिकारियों की बैठक ली तथा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा ली।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिला किन्नौर में 05 विद्युत सब-स्टेशन रिकांग पिओ, सांगला, पूह, भावानगर तथा टापरी के माध्यम से जिला किन्नौर के 37 हजार 187 विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है जिसके लिए विभाग द्वारा 988 किलोमीटर लंबी एच.टी लाईन तथा 1159 किलोमीटर लंबी एल.टी लाईन बिछाई गई है।

राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला के लोगों की लो-वोल्टेज तथा ट्रिपिंग की समस्या का शीघ्र निदान सुनिश्चित बनाएं तथा जिला के दूर-दराज गांव तक सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 240 वोल्टेज प्रदान करें। उन्होंने सदीर्यों के दौरान होने वाली बर्फबारी से पहले बिजली के ट्रांसफॉर्मरों व खम्बों सहित तारों के आवश्यक रख-रखाव के लिए गश्त लगाने के निर्देश दिए ताकि सर्दी के दौरान आम जनता को बिजली की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके अलावा बैठक में जिला किन्नौर में स्मार्ट मीटर लगाने पर भी चर्चा की गई।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने इसके उपरान्त जिला के सभी अधिकारियों को आगामी शीत ऋतु के दौरान होने वाली बर्फबारी के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किन्नौर जिला का काफी बड़ा भाग सर्दियों में बर्फबारी से प्रभावित रहता है, जिसमें संभावित जान-माल के नुकसान की सम्भावनाएं भी रहती हैं। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए सभी विभाग आपसी तालमेल स्थापित कर अपनी-अपनी तैयारियां सुनिश्चित करें।

कैबिनेट मंत्री ने आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्य करने वाले सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा के समय सम्पर्क स्थापित करने के लिए सैटेलाईट फोन का प्रयोग करें। इसके अलावा उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि जिला में जिन स्थानों पर यातायात से संबंधित साइन बोर्ड लगाए गए हैं उन सभी साईन बोर्डों में आपातकालीन नम्बरों को लिखना सुनिश्चित करें ताकि इन आपातकालीन नम्बरों की जानकारी आम लोगों को मिल सके।

राजस्व मंत्री ने सर्दियों के मौसम में जिला की सभी सड़कों विशेषकर बर्फबारी से प्रभावित रहने वाली सड़कें (ठंगी-कुन्नु-चारंग, लिप्पाद्दअसरंग, करछम-छितकुल, वांगतू-काफनू, श्यासो-ग्याबुंग, रल्ली, नामज्ञा, पागल नाला, मलिंग नाला, टिंकू नाला) पेयजल और विद्युत आपूर्ति को सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सभी स्वास्थ्य संस्थानों में समुचित मात्रा में दवाइयां उपलब्ध रखने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को किसी भी आपात स्थिति में एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त किन्नौर डॉ. अमित कुमार शर्मा, अधीक्षण अभियन्ता वरूण शर्मा, वरिष्ठ अधिशाषी अभियनता बीरबल नेगी, अधिशाषी अभियन्ता टाशी नेगी, जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय किन्नौर से नरेंद्र कायथ व कुलदीप सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय टीम सलामी बल्लेबाजों पर रहेगी निगाह

चक्रवर्ती ने पहले मैच में तीन विकेट लेकर तीन साल के बाद राष्ट्रीय टीम में की सफल वापसी

एजेंसी
हैदराबाद

पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती

- टीम प्रबंधन की ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी रहेगी करीबी नजर

थी और अब वह टी20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन कुछ अच्छे विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहा है। फिर चाहे वह तेज गेंदबाज मयंक यादव हों या स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, गंभीर उनके प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इन खिलाड़ियों ने भी अभी तक अपने मुख्य कोच को निराश नहीं किया है। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस श्रृंखला में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। चक्रवर्ती ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट लेकर तीन साल के बाद राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी की है। टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी करीबी नजर रखेगा जिन्होंने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की धमाकेदार पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी लिए। इन सकारात्मक पहलुओं के बीच संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी का प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का विषय होगा। सैमसन को पारी शुरू करने का मौका दिया गया लेकिन केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक इसका फायदा नहीं उठा पाया है। उन्होंने पहले मैच में 29 और दूसरे मैच में 10 रन बनाए। सैमसन को अगर यहां मौका मिलता है तो उन्हें उसे हर हाल में भुनाना होगा क्योंकि टीम प्रबंधन टीम में शामिल दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी मौका दे सकता है। टीम प्रबंधन को दूसरे सलामी बल्लेबाज अभिषेक से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो अभी तक पहले दो मैच में 15 और 16 रन ही बना पाए हैं। इसके अलावा भारतीय टीम प्रबंधन लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑलराउंडर हर्षित राणा को भी मौका देने पर विचार कर सकता है।

टीम इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव, तिलक वर्मा।

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन एमोन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह, लिटन दास, जाकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, रकीबुल हसन।

इंग्लैंड की पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड से भरे पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत

एजेंसी
मुल्तान

इंग्लैंड ने कुछ नए रिकॉर्ड का गवाह रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां पाकिस्तान को पारी और 47 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरूआती बढ़त हासिल की। पाकिस्तान की टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन पहले सत्र में 220 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से सलमान अली आगा (63) और अमीर जमाल (नाबाद 55) ने अर्धशतक जमाए लेकिन इससे वे हार का अंतर ही कम कर पाए। अबरार अहमद बुखार होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पाकिस्तान पहली ऐसी टीम बन गई है जिसे पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे जिसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ने अंतिम दिन तीनों विकेट हासिल किए। उन्होंने कुल 30 रन देकर चार विकेट लिए। इससे पहले मैच के चौथे दिन शाम के सत्र में तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम चरमराया था। पाकिस्तान ने सुबह छह विकेट पर 152 रन से आगे खेलना शुरू किया। सलमान और जमाल ने पहले एक घंटे में कोई विकेट नहीं गिरने दिया और सातवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की। लीच ने सलमान को पगबाधा आउट करके यह साझेदारी तोड़ी और फिर पुछल्ले बल्लेबाजों शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को आउट करने में देर नहीं लगाई। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में टेस्ट क्रिकेट का चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उसकी तरफ से हैरी ब्रूक ने 317 और जो रूट ने 262 रन बनाए। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच मंगलवार से मुल्तान में ही खेला जाएगा जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में होगा।

ब्राजील ने चिली को हराया, अर्जेंटीना ने ड्रॉ खेला

एजेंसी
साओ पाउलो

स्थानापन्न खिलाड़ी लुइज हेनरिक के 89वें मिनट में किये गये गोल से ब्राजील ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मैच में चिली पर 2-1 से जीत दर्ज की। इस जीत से ब्राजील दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग में राउंड रॉबिन प्रतियोगिता के नौवें दौर के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले लियोनेल मेस्सी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना की टीम ने वेनेजुएला के शहर माटुरिन के मोनुमेंटल स्टेडियम में मैदान गीला होने के कारण 30 मिनट की देरी से शुरू हुए मैच में वेनेजुएला को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में नौ मैचों के बाद 19 अंक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है। बोलीविया से 1-0 से हारने के बावजूद कोलंबिया के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उरुग्वे 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि ब्राजील के 13 अंक हैं। दक्षिण अमेरिका

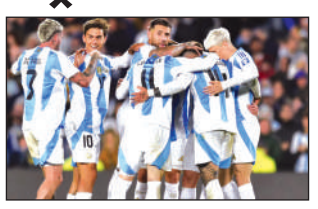

में अभी तक खराब प्रदर्शन करने वाली चिली की टीम ने सेंटियागो के नेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में अनुभवी स्ट्राइकर एडुआर्डो वर्गास के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। ब्राजील की तरफ से पहले हाफ के इंजरी टाइम में स्ट्राइकर इगोर जीसस ने हेडर से बराबरी का गोल किया। वेनेजुएला के खिलाफ मैच में डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने 13वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए गोल किया। मेस्सी के क्रॉस और गोलकीपर राफेल रोमो की गलती के बाद उन्होंने गेंद को खाली नेट में डाला। सॉलोमन रोंडन ने 65वें मिनट में हेडर से गोल करके वेनेजुएला को बराबरी दिलाई। वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका की एकमात्र ऐसी टीम है जो अभी तक विश्व कप में नहीं खेली है।

पीसीबी ने चयन समिति बदली, रिटायर्ड अंपायर अलीम दार समिति में

लाहौर। हाल ही में रिटायर हुए अंपायर अलीम दार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के हाथों मुल्तान में पहले टेस्ट में टीम की शर्मनाक हार के बाद गठित नई राष्ट्रीय चयन समिति में शामिल किया है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को एक पारी और 47 रन से हराया। इससे पहले पाकिस्तानी टीम बांग्लादेश के हाथों दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला हार गई थी। पीसीबी ने पूर्व टेस्ट क्रिकेटर अकीब जावेद, अजहर अली, टेस्ट अंपायर अलीम दार और विश्लेषक हसन चीमा को समिति में शामिल किया है। दार पीसीबी से ऐसा पद पाने वाले पहले अंपायर हैं। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज असद शफीक समिति में पहले ही से हैं जो मुहम्मद युसूफ के इस्तीफे के बाद शामिल किये गए थे। पीसीबी ने कहा कि सभी सदस्यों को मतदान का अधिकार होगा लेकिन यह नहीं बताया कि मुख्य कोचों गैरी कर्स्टन और जैसन गिलेस्पी को भी क्या समिति में मत देने का अधिकार होगा।

एचआईएल भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग को पुनर्जीवित करेगी: सरदार सिंह

एजेंसी
बेंगलुरु

अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान सरदार सिंह का मानना है कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फिर से शुरू होने से भारतीय हॉकी को अपने स्वर्णिम दिनों में लौटने में मदद मिलेगी। एचआईएल की नीलामी के लिए 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। पुरुषों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को, जबकि महिलाओं की नीलामी 15 अक्टूबर को होगी। यह लीग सात साल बाद वापसी करने जा रही है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार सरदार ने कहा, 'एचआईएल इस बार बड़ी और बेहतर होगी। इस बार महिला लीग का भी आयोजन किया जा रहा है। इस तरह से यह लीग भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग को पुनर्जीवित करने के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा, 'इस लीग में खेलने और शीर्ष स्तर की हॉकी का अनुभव लेने के लिए भारत के कई खिलाड़ी कतार में

होंगे। इससे भारतीय टीम के संभावित खिलाड़ियों का बड़ा और मजबूत समूह तैयार करने में भी मदद मिलेगी।' सरदार 2013 में हॉकी इंडिया लीग में खेले थे तथा उन्हें टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। उन्होंने कहा, 'एचआईएल एक अविस्मरणीय अनुभव था। हमें दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलने का लंबे समय तक मौका मिला था। इससे युवा खिलाड़ियों को चोटी के खिलाड़ियों की मानसिकता को समझने का मौका मिला। एक प्रभावशाली युवा खिलाड़ी के लिए सकारात्मक प्रदर्शन से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं होता है।'

यूनान ने इंग्लैंड को हराया, एमबापे के बिना जीता फ्रांस

लंदन। यूनान ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में गुरुवार को यहां इंग्लैंड को उसकी धरती पर 2-1 से पराजित किया। इस बीच एर्लिंग हालैंड 24 साल की उम्र में नॉर्वे की तरफ से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नॉर्वे की स्लोवाकिया पर 3-0 की जीत में दो गोल किए। हालैंड नार्वे की तरफ से अभी तक 34 गोल कर चुके हैं जो पिछले रिकार्डधारक जोर्गेन जुवे से एक गोल अधिक है। जोर्गेन जुवे ने 1930 के दशक में यह रिकॉर्ड बनाया था। नॉर्वे के लिए अलेक्जेंडर सोरलोथ ने भी गोल किया। फ्रांस ने किलियन एमबापे और संन्यास ले चुके एंटोनी ग्रीजमैन के बिना भी शानदार खेल का नमूना पेश करके इजराइल को 4-1 से हराया। इंग्लैंड और यूनान के बीच वेम्बली स्टेडियम में खेले गए मैच में तीनों गोल दूसरे हाफ में किए गए। वेंजेलिस पावलिडिस ने 49वें मिनट में यूनान की तरफ से पहला गोल किया। जूड बेलिंगहैम ने 87वें मिनट में इंग्लैंड की तरफ से बराबरी का गोल दागा लेकिन पावलिडिस ने स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल करके यूनान की जीत सुनिश्चित की। एमबापे मामूली चोट के कारण इजराइल के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए लेकिन फ्रांस को उनकी कमी नहीं खली।

लैथम चाहते हैं भारत में निर्भीक होकर खेले न्यूजीलैंड

एजेंसी
क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के नवनियुक्त टेस्ट कप्तान टॉम लैथम का मानना है कि अपनी धरती पर अजेय रहे भारत को अगर कड़ी चुनौती देनी है तो उसका एकमात्र तरीका निर्भीक होकर खेलना है। लैथम को भारत के खिलाफ 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले टिम साउदी की जगह न्यूजीलैंड का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। लैथम ने शुक्रवार को टीम के भारत रवाना होने से पहले कहा, 'भारत का दौरा करना हमेशा रोमांचक और चुनौतीपूर्ण होता है। उम्मीद है कि हम वहां कुछ हद तक स्वच्छंद और निर्भीक होकर खेलेंगे और उन पर हावी रहने की कोशिश करेंगे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारे पास जीत का अच्छा मौका होगा।' भारत ने जहां अपनी धरती पर लगातार 18 टेस्ट श्रृंखलाएं जीती हैं वहीं न्यूजीलैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के वर्तमान चक्र में लगातार चार श्रृंखला हारने के बाद यहां आ रहा है। न्यूजीलैंड ने भारत में अभी तक केवल दो टेस्ट मैच जीते हैं। इनमें

से उसने आखिरी जीत 1988 में हासिल की थी। लैथम ने कहा, 'हमने देखा है कि भारत में अतीत में जिन टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उन्होंने आक्रामक खेल दिखाकर ऐसा किया। विशेष कर बल्लेबाजी में रक्षात्मक की जगह आक्रामक क्रिकेट खेलना महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने कहा, 'हमें वहां पहुंचने के बाद तय करना होगा कि हमें किस तरह की क्रिकेट खेलनी है लेकिन हमारे खिलाड़ियों के पास चुनौती पेश करने के लिए अपनी रणनीति है और उम्मीद है कि वे उस पर अच्छी तरह से अमल करेंगे।' न्यूजीलैंड को हाल में श्रीलंका दौरे में दोनों टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाज लैथम ने कहा कि इस श्रृंखला में उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे।

शरीर स्वस्थ होना बहुत जरुरी है, अगर आप एक अच्छा बुढ़ापा चाहते है.

रूटीन में करें एक्सरसाइज

चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा में सेवन ना करें,ये डायबिटीज,ब्लड प्रेशर,हृदय रोगों का कारण हैं

सेहत से सम्बंधित महत्वपूर्ण बातें

- डेली रूटीन में किसी भी तरह की एक्सरसाइज को समय (30 min से 45 min) दे। आप इसमें योग, प्रयानाम, वाक, जिम में कसरत आदि कुछ भी कर सकते हैं
- पानी की एक उचित मात्रा होना भी बहुत जरुरी हैं। दिन भर में 12 से 15 गिलास पानी लेना ही चाहिए, इससे हानिकारक टाक्सिन शरीर से बाहर होते है और कई तरह की बिमारियों से शरीर को दूर रखते हैं। घर में जब भी पानी ले बड़े से बड़े गिलास का उपयोग करे।
- सुबह में जब भी आप सोकर उठे तब 1 गिलास नार्मल पानी ले। और फेश होने के बाद 1 गिलास गुनगुना पानी गुनगुना पानी ले। जिसमे 6 से 7 बूँद नीम्बू के रस की डाले और अगर हो सके तो 1 चम्मच शहद भी मिला सकते हैं।
- लंच और डिनर के 10 min पहले 1 गिलास पानी लेना चाहिए। इससे पाचन ठीक होता है, और अगर यह गुनगुना पानी हो तो और भी अच्छा होगा।
- लंच और डिनर के 30 min बाद पानी पियें। खाना लेने के तुरंत बाद केवल थोड़ा सा ही पानी ले। अगर यह 2 Water luke 2 arm गुनगुना हो तो बहुत लाभकारी होगा।
- पानी की नियमित मात्रा लेने से आपके चेहरे पर भी ग्लो चमक आती हैं। अगर आप कुछ दिन तक गिलास गिन करके 12 to 15 गिलास पानी ले तो कुछ दिन के बाद यह आपके रूटीन में सेट हो जायेगा।
- लंच एवम डिनर के बाद अगर आप 10 min स्लो वाक करें, तो काफी अच्छा साबित होगा और इसके आलावा अगर आप 5 min वज्रासन लगा सके, तो यह भी लाभकारी होगा।
- अगर आप दिन भर में कम से कम 2 बार काली चाय नीम्बू व् शहद के साथ या ग्रीन टी लेते हैं, तो आपके शरीर में मेटापोलिस्म बढ जायेगा, जो कि बहुत जरुरी हैं। मेटापोलिस्म एक वजह है, जिस कारण वजन बढ़ता हैं। इसकी मात्रा शरीर में अच्छी होना जरुरी हैं और 20 साल की उम्र के बाद मेटापोलिस्म कम होने लगता हैं। इसे बनाये रखने के लिए एक्सरसाइज और एक ठीक रूटीनका होना बहुत जरुरी हैं।
- मेटापोलिस्म कम होने से खाना ठीक से पचता नहीं है और शरीर फूलने लगता है फैट बढ़ने लगता हैं। कई बार हम सोचते है, हमारी डाइट बहुत कम है, फिर भी वजन बढ़ता हैं और सामने वाला बहुत खाता हैं फिर भी दुबला पतला हैं। यह मेटापोलिस्म के कारण होता हैं।
- कम भोजन करने से वजन कम करना गलत हैं, डाइटिंग से लाभ नहीं हानि होती है। सभी को अपनी भूख के हिसाब से ही खाना लेना चाहिए, बस उसे एक साथ ना लेकर कुछ टुकडो में तोड़ देना सही होता है। भोजन में सलाद और दही बहुत जरुरी हैं, इसे अपनी डाइट में शामिल करें।
- ब्रेकफास्ट यानि सुबह का नाश्ता करना बहुत जरुरी है और यह हैवी हो तो, आपको दिन भर एनर्गी महसूस होती हैं। और डिनर जितना हल्का हो उतना अच्छा और जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी करे। देर रात कुछ भी खाना गलत होता है।
- काम की व्यस्तता के कारण कई लोग देर रात ही डिनर करते हैं। अगर आप इस आदत को बदल सके तो बहुत अच्छा हैं लेकिन नहीं तो कोशिश करे कि डिनर करने के बाद 10 द्वद्वद्व वाक या वज्रासन करे और भोजन के 30 min बाद luke warm water (गुनगुना पानी) ले।

शारीरिक श्रम न करने के नुकसान

- वजन बढ़ता है
- शरीर में आलस्य बढ़ता है
- बीमारियाँ होती है
- कुछ अन्य शारीरिक काम करने से जल्दी थकावट होती है

"Health is Wealth" इस लाइन को जानते तो सभी हैं, पर इसके लिए टाइम कितने लोग देते हैं, यह सोचने वाली बात हैं। ज़िन्दगी में खुश रहने के लिए जरुरी है शारीरिक एवम मानसिक सभी तरह से हेल्थी बने रहें। आमतौर पर लोगो का सोचना होता हैं कि, वह अपने डेली रूटीन में काफी भाग दौड़ लेते हैं, इसलिए उन्हें किसी भी शारीरिक एक्सरसाइज की जरुरत नहीं हैं। लेकिन ऐसा सोचना ही गलत है। आप जो भी काम कर रहे हैं, वो आपकी ज़िन्दगी का हिस्सा बन चूका हैं। आपके शरीर को इस तरह के लाइफस्टाइल की आदत हो चुकी हैं, इसलिए कुछ वक्त किसी भी तरह की एक्सरसाइज सभी के लिए जरुरी हैं। बहुत से लोगो का यह भी मानना होता है कि एक्सरसाइज केवल मोटे लोगो के लिए जरुरी है। यह भी गलत हैं। एक्सरसाइज सभी के लिए जरुरी हैं। कई बार आपने देखा होगा बिलकुल दुबला पतला व्यक्ति भी कई तरह के शारीरिक काम नहीं कर पाता। हाई व लो ब्लडप्रेशर की परेशानी दुबले व्यक्ति को भी हो सकती हैं। और कई बार मोटा दिखने वाला व्यक्ति भी फुर्तीला होता है। स्टेमिना बढ़ाना बहुत जरुरी है, अगर आप एक अच्छा बुढ़ापा चाहते है।

बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें

पंजाब पुलिस ने विदेशी गैंगस्टरों की ओर से चलाए जा रहे मॉड्यूल का किया पदार्फाश

मुख्य सरगना, तीन हथियार सप्लायर दो पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

- आरोपी को एक प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर और एक ट्रैवल एजेंट की हत्या करने का काम सौंपा गया था: डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण

मोहाली

संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता दर्ज करते हुए, एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर मोहाली पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में विदेशी स्थित हैंडलर पवित्र यूएसए और मनजिंदर फ्रांस द्वारा संचालित मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके मुख्य संचालक नवजोत सिंह उर्फ जोता और राजस्थान स्थित तीन अवैध हथियार स्पलायरों को गिरफ्तार किया।

यह जानकारी देते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को यहां बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन हथियार सप्लायरों की पहचान मोहम्मद आसिफ, भानु सिसौदिया और अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो सभी राजस्थान के बालोतरा जिले के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों हथियार सप्लायरों की पृष्ठभूमि आपराधिक है, जबकि आरोपी नवजोत उर्फ जोता पर हत्या, डकैती, स्नैचिंग, एनडीपीएस का आरोप है। वहीं आर्म्स एक्ट जघन्य अपराध से संबंधित कुल 21 मामले हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि उनके कब्जे से दो पिस्तौल सहित खेप बरामद की गई है, जिसमें एक अत्याधुनिक स्वचालित .32 कैलिबर पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह खेप तस्करों द्वारा आरोपी नवजोत जोता तक पहुंचाई जानी थी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी नवजोत सिंह उर्फ जोता को उसके विदेशी आकाओं ने एक प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर और एक ट्रैवल एजेंट को खत्म करने का काम सौंपा था, जो हाल ही में जमानत पर बाहर आए थे। डीजीपी ने कहा कि मामले में आगे-पीछे की कड़ियां स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन के संबंध में अधिक जानकारी साझा करते हुए, एसएएस नगर मोहाली के एसएसपी दीपक पारीक ने कहा कि पुलिस को राजस्थान स्थित हथियार तस्करी गिरोह के सदस्यों के राज्य में अपने सहयोगियों को खेप पहुंचाने के लिए पंजाब में प्रवेश करने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन की योजना बनायी गयी और एजीटीएफ पंजाब और एसएएस नगर मोहाली पुलिस की संयुक्त टीमों ने डेराबस्सी-मुबारकपुर रोड पर फोकल पॉइंट के पास एक विशेष नाका लगाया और हथियारों की खेप के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर नवजोत उर्फ जोता खेप लेने आया था। एसएसपी ने कहा कि आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डेराबस्सी थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25(6) और 25(7) के तहत मुकदमा नंबर 313 दर्ज किया गया है।

पिंक टर्बन अभियान के साथ मना इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे समारोह

- एनजीओ युवसत्ता और कुंदन इंटरनेशनल स्कूल की 'गर्ल्स पार्लियामेंट' ने किया आयोजन

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

शहर की स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ) युवसत्ता और कुंदन इंटरनेशनल स्कूल की 'गर्ल्स पार्लियामेंट' ने शुक्रवार को अपने स्कूल परिसर में इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे समारोह का आयोजन किया। इस दौरान लड़कियों के अधिकारों के लिए पिंक टर्बन रैली, भाषण और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे एक बेहतर दुनिया के लिए आवाज उठाई जा सके जहाँ लड़कियाँ सुरक्षित महसूस करें और अपनी पूरी क्षमता का एहसास करें। इस मौके पर उपस्थित प्रमुख लोगों में नगर निगम, चंडीगढ़ के मेयर कुलदीप कुमार, चंडीगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग-सीसीपीसीआर की चेयरपर्सन शिप्रा बंसल, कुंदन इंटरनेशनल स्कूल की एसएमसी की प्रेसिडेंट डॉ शशि जैन, सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब यूनिवर्सिटी की चेयरपर्सन प्रो. (डॉ.) मोनिका मुंजियाल सिंह और युवसत्ता (यूथ फॉर पीस) के संस्थापक प्रमोद शर्मा शामिल थे।

कुंदन इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल योगेश जदली ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस साल 11 अक्तूबर का दिन इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि नवरात्रि के दौरान अष्टमी और नवमी भी इसी दिन पड़ी है, जिसमें देवी दुर्गा - जो स्त्री शक्ति और ताकत का प्रतीक हैं - का सम्मान किया जाता है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मेयर कुलदीप कुमार ने कहा कि अपनी बेटी को बढ़ता हुआ देखकर उन्हें पूरे शहर में सभी लड़कियों और महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है, ताकि वे अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास कर सकें।

युवसत्ता के अनोखे 'गर्ल्स इंडिया अभियान' को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए शिप्रा बंसल ने कहा कि युवा लड़कियाँ विशेष रूप से असुरक्षित हैं, जो अक्सर गंभीर ऑनलाइन उत्पीड़न और पीछा करने का शिकार होती हैं। स्कूलों और अभिभावकों को निरंतर आधार पर कंप्यूटर, मोबाइल फोन, नेटवर्क और डेटा की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर जागरूक रहने की आवश्यकता है। प्रमोद शर्मा ने अपने समापन भाषण में इस बात पर जोर दिया कि हमें 'बेटी बचाओ' के नारे को बदलकर 'अपने अधिकारों की मांग करो और उन्हें प्राप्त करो' करना होगा। समाज में लैंगिक समानता तब तक स्थापित नहीं हो सकती जब तक कि लड़कियां और महिलाएं अपने हक की मांग और दावा करने के लिए खड़ी नहीं होतीं। सभी प्रतिभागियों को 'लड़कियों और महिलाओं के अनुकूल चंडीगढ़' के लिए काम करने की शपथ भी दिलाई गई।

प्रोफेसर टी.डी. यादव इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के अध्यक्ष चुने गए

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ में जीआई सर्जरी, एचपीबी और लिवर ट्रांसप्लांटिशन विभाग के लिए बहुत गर्व और सम्मान का क्षण है, क्योंकि प्रोफेसर टी.डी. यादव को 3 से 6 अक्टूबर, 2024 तक पटना, बिहार में आयोजित 34वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का अध्यक्ष चुना गया है। 1500 से अधिक आजीवन सदस्यों वाला आईएएसजी सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित संघों में से एक है। प्रोफेसर यादव का इस प्रतिष्ठित पद पर चुना जाना इस क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और अकादमिक समुदाय के भीतर उनके नेतृत्व का प्रमाण है। वे पूरे वर्ष आईएएसजी की सभी शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं और इससे पहले कार्यकारी सदस्य के रूप में दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, वे हर सोमवार को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से एसोसिएशन द्वारा आयोजित जीआई क्लीनिक के लिए नियमित पैनलिस्ट और मॉडरेटर रहे हैं। आईएएसजी में अपनी विशिष्ट भूमिका के अलावा, प्रोफेसर यादव ने पांच साल तक इंटरनेशनल हेपाटो-पैन्क्रियाटिको-बिलियरी एसोसिएशन के भारतीय चैप्टर के मानद सचिव के रूप में भी काम किया है। उन्होंने पीजीआई, चंडीगढ़ में लीवर प्रत्यारोपण कार्यक्रम शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

नाइन ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, पीजीआई चंडीगढ़ ने भारतीय प्रशिक्षित नर्स संघ, यूटी शाखा चंडीगढ़ के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य दिवस को जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई आकर्षक गतिविधियों के साथ मनाया। कार्यक्रम का विषय था 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है', जिसमें पेशेवर सेटिंग में मानसिक स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। यह कार्यक्रम TNAI की सचिव, नाइन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनीता शर्मा के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आयोजित किया गया था। यह समारोह 8 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2024 तक तीन दिनों तक छात्रों, शिक्षकों और समुदाय को शामिल करने के लिए डिजाइन की गई विभिन्न गतिविधियों से भरा हुआ था।

कार्यक्रम में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की नर्सिंग सलाहकार डॉ. दीपिका खाखा ने मुख्य भाषण दिया, जिन्होंने कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया और कर्मचारियों के लिए मानसिक रूप से सहायक वातावरण बनाने के व्यावहारिक सुझाव साझा किए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुबोध बी.एन., प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, पीजीआई, चंडीगढ़ थे, जिन्होंने कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। डॉ. सुखपाल कौर, प्रिंसिपल नाइन, अध्यक्ष टीएनएआई ने एक सहायक कार्य वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया, जहां प्रत्येक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम की प्रमुख पहलों में से एक मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करना था, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली, मानसिक स्वच्छता, तनाव प्रबंधन आदि शामिल थे, जो पीजीआई, चंडीगढ़ के विभिन्न ओपीडी और वार्डों में रोगियों और देखभाल करने वालों को प्रदान किया गया था।

संस्थान के नर्सिंग छात्रों के लिए विषय पर नारा लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। उत्साही प्रतिभागियों ने विचारोत्तेजक नारों और पोस्टरों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य पर अपने विचार रचनात्मक रूप से व्यक्त किए। लोगों को नुक्कड़ नाटकों और अन्य प्रभावी दृश्य-श्रव्य साधनों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के बारे में शिक्षित किया गया। एक चिंतनशील जर्नलिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को अपने विचारों और भावनाओं को रचनात्मक रूप से तलाशने और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पीजीआई ने आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल के बीच सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित की

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

आउटसोर्स अस्पताल परिचारक, सेनेटरी परिचारक और वाहक हड़ताल पर हैं, पीजीआई ने आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए एक व्यापक आकस्मिक योजना को सक्रिय किया है। हड़ताल के दौरान चुनौतियों के बावजूद, संस्थान ने सेवाओं की निरंतरता को प्रबंधित किया, जिसमें विभिन्न ओपीडी में 7,367 रोगियों की जांच की गई। ओपीडी पंजीकरण और रोगी परामर्श बिना किसी व्यवधान के जारी रहे, और आईसीयू, आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र काफी हद तक अप्रभावित रहे। अधिकारी हड़ताली परिचारकों को चर्चा के लिए मेज पर आने के लिए सक्रिय रूप से राजी कर रहे हैं, उनसे रोगी देखभाल के हित में काम पर लौटने का आग्रह कर रहे हैं चल रही हड़ताल के क्रम में, सभी वैकल्पिक सर्जरी और वैकल्पिक प्रवेश निर्लंबित रहेंगे। 12 अक्टूबर को दशहरा और 13 अक्टूबर को रविवार के लिए राजपत्रित अवकाश के कारण, ओपीडी अगले दो दिनों के लिए बंद रहेंगे।

चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के अस्पतालों को सलाह दी गई है कि वे मौजूदा स्थिति के कारण इस अवधि के दौरान मरीजों को पीजीआई में न भेजें। संस्थान जनता से धैर्य और सहयोग का अनुरोध करता है क्योंकि वह रोगी सेवाओं पर हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए लगन से काम कर रहा है। पीजीआई रोगी कल्याण की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और स्थिति पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेगा। मौजूदा स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद नई आकस्मिक योजना तैयार की जाएगी।